राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 10 दिसंबर 2023 वर्ष–6,अंक–315 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## 'इंडिया गठबंधन' को सनातन, राम मंदिर, राष्ट्रीय सुरक्षा और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरती रहेगी भाजपा

**नई दिल्ली।**

हाल ही में हुए पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव में भाजपा ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जहां कांग्रेस से सत्ता छीन ली, वहीं मध्य प्रदेश में अपनी सरकार को बचाने में कामयाब रही। दक्षिण भारत राज्य तेलंगाना में भले ही भाजपा को उस तरह की जीत नहीं मिली हो, जिस तरह के दावे उसके नेता करते रहे थे। लेकिन, इसके बावजूद तेलंगाना में भाजपा का विधान सभा में संख्या बल और वोट प्रतिशत भी बढ़ा है। कुछ महीने बाद होने वाले लोक सभा चुनाव से पहले मिली यह जीत भाजपा के लिए बहुत ज्यादा मायने रखती है क्योंकि इनमें से तीन राज्यों में भाजपा का सीधा मुकाबला कांग्रेस के साथ था, जिसमें कांग्रेस की हार हुई है। यहां तक कि कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य विपक्षी दल भी विधान सभा चुनाव में मिली हार को लेकर कांग्रेस पर चुटकी लेते हुए नजर आ रहे हैं। इसके बावजूद भाजपा विपक्षी गठबंधन को लेकर कोई रिस्क लेने को तैयार नहीं है। विपक्षी गठबंधन को लेकर भाजपा की रणनीति बिल्कुल साफ है कि भले ही विपक्षी गठबंधन में एकता नजर आए या न आए, उनके बीच आपस में टकराव नजर आए, लेकिन भाजपा के निशाने पर पूरा विपक्षी गठबंधन रहेगा और भाजपा के शीर्ष स्तर के नेता से लेकर कार्यकर्ता तक विपक्षी गठबंधन को 'इंडी अलायन्स' और 'घमंडिया गठबंधन' के नाम से संबोधित करते रहेंगे। भाजपा ने विपक्षी गठबंधन के खिलाफ रणनीति को लेकर अपने कैडर तक को यह संकेत दे दिया है कि भले ही पार्टी शानदार तरीके से विधान सभा चुनाव जीती हो, लेकिन पार्टी विपक्षी गठबंधन को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। भाजपा सनातन, राम मंदिर, राष्ट्रीय सुरक्षा और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्षी गठबंधन को घेरती रहेगी और पार्टी के निशाने पर खासतौर से कांग्रेस रहेगी। जब डीएमके सांसद ने सदन में विवादित बयान दिया तो भाजपा ने कांग्रेस और गांधी परिवार से सवाल पूछा। विधान सभा चुनावों की जीत को सनातन विरोधियों की हार करार दिया। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर को दशकों तक कांग्रेस द्वारा लटकाने, अटकाने और भटकाने का आरोप लगाते हुए भाजपा विधान सभा चुनावों की तरह इसे लगातार अपनी रैलियों में कहती रहेगी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के डीएनए वाले बयान को भी बड़ा मुद्दा बनाते हुए भाजपा लोगों को अमेठी हारने के बाद राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान की भी याद दिलाएगी और साथ ही यह आरोप भी लगाएगी कि कांग्रेस देश को उत्तर भारत और दक्षिण भारत में बांटना चाहती है। राहुल गांधी समेत कई विपक्षी दलों के जातीय जनगणना और ओबीसी आरक्षण के राग के खिलाफ मोर्चा संभालते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कह चुके हैं कि इस चुनाव (विधान सभा चुनाव) में देश को जातियों में बांटने की भरपूर कोशिश हुई।

## मिजोरम में पार्टी की हार की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने

**नई दिल्ली ।**

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को मिजोरम में पार्टी की हार की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की । बैठक में राहुल गांधी, पार्टी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, मिजोरम प्रभारी भक्त चरण दास, सचिन राव और कई अन्य लोग भी शामिल हुए। बैठक के दौरान पार्टी नेताओं ने पूर्वोत्तर राज्य में पार्टी की हार के कारणों पर विचार-विमर्श किया। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए भक्त चरण दास ने कहा, हमने मिजोरम पर समीक्षा बैठक की। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, वेणुगोपाल और मिजोरम के सभी नेता मौजूद थे। उन्होंने कहा, हमने हर पहलू पर चर्चा की। जमीनी स्तर और राज्य स्तर पर संगठन संरचना और विभिन्न घटनाक्रम हुए। सभी चीजों पर चर्चा की। भाजपा की मौजूदगी मिजोरम में बहुत कम है। एमएनएफ भाजपा के साथ सत्ता में थी। मिजोरम के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि मणिपुर के मुद्दों के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मणिपुर का दौरा नहीं किया, इसलिए वह बैठक का बहिष्कार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने अपना दृष्टिकोण बदल दिया और चुपचाप जेडपीएम की मदद की। दास ने कहा, जेडपीएम चुपचाप अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा के साथ शामिल हो गई। बीजेपी नेता और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के लगातार दौरे से पता चला कि इसे भाजपा का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि इसी कारण हम हारे, लेकिन हम इससे निराश नहीं हैं। दास ने यह भी कहा कि भाजपा ने जेडपीएम के साथ मिजोरम में प्रवेश किया और यह राज्य के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने माना कि पार्टी पूर्वोत्तर में बीजेपी की पिछले दरवाजे से एंट्री के बारे में लोगों को बताने में नाकाम रही। लोगों ने जेडपीएम को वोट दिया और हमें उम्मीद है कि यह लोगों के लिए काम करेगा।

### गहलोत का भाजपा पर तंज.....7 दिन हो चुके सीएम का चेहरा तय नहीं हुआ

**जयपुर**

(भाजपा) पोल खुलती जा रही है। 7 दिन बीत चुके हैं,भाजपा मुख्यमंत्री का चेहरा तय नहीं कर पा रही और बात करते हैं कि हमारी पार्टी में अनुशासन है। इतना ही नहीं गहलोत ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष हाईकमान घोषित करेगा। दिल्ली पहुंचने पर राजस्थान के कार्यवाहक मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता गहलोत ने कहा,...आज चुनाव के बाद की समीक्षा बैठक होगी। इसमें हम हिस्सा ले रहे हैं। चुनाव पर चर्चा होगी, बैठक में जो भी फैसला होगा वहां हमें मान्य होगा। दिल्ली पहुंचने पर राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा, आज पार्टी आलाकमान ने बैठक बुलाई है जिसमें हम चर्चा करेंगी कि क्या कमियां रही जिनके चलते हम सत्ता में नहीं लौट पाए।

## फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने पीएम मोदी

### 76 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग

**नई दिल्ली।**

विश्व के सबसे लोकप्रिय नेताओं की सूची में पीएम मोदी की बादशाहत अभी भी कायम है। अमेरिकी एजेंसी मॉर्निंग कंसल्ट के अनुसार पीएम मोदी 76 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता हैं। सर्वे में दूसरे पायदान पर मैक्सिको के प्रेसिडेंट ओब्राडोर रहे हैं, जिन्हें 66 प्रतिशत रेटिंग मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 37 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ 8वें पायदान पर हैं, जबकि इसी सर्वे में इटली की पीएम जॉर्जिया मैलोनी 41 प्रतिशत रेटिंग के साथ छठें पायदान पर हैं।

**कई सालों से शीर्ष पर काबिज हैं पीएम मोदी**

पीएम मोदी पिछले कई सालों से इस सूची में टॉप पर बने हुए हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 40 फीसदी अप्रूवल रेटिंग के साथ लिस्ट में सातवें स्थान पर हैं, जो मार्च के बाद से उनकी सबसे ज्यादा अप्रूवल रेटिंग है। राजनीतिक खुफिया अनुसंधान फर्म द्वारा एकत्र किया गया डेटा 22 वैश्विक नेताओं के सर्वेक्षण पर आधारित है। 6 से 12 सितंबर, 2023 तक एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस ग्लोबल सूची में सबसे कम डिस्प्रूवल रेटिंग भी पीएम मोदी की केवल 18 प्रतिशत है। जहां तक डिस्प्रूवल रेटिंग का सवाल है, सूची में शीर्ष 10 नेताओं में से, कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो की डिस्प्रूवल रेटिंग सबसे अधिक 58 प्रतिशत है और ऐसा माना जाता है कि यह खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे पर भारत के साथ कनाडा के कूटनीतिक मतभेद की वजह से हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपना शीर्ष स्थान कायम रखा है। 'मॉर्निंग कंसल्ट' के सितंबर सर्वेक्षण में भी

76 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ वे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता थे। अप्रैल के सर्वेक्षण में भी 76 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ पीएम मोदी को अपने अमेरिकी और ब्रिटेन समकक्षों जो बाइडेन और ऋषि सुनक को पीछे छोड़ते हुए 'सबसे लोकप्रिय' नेता करार दिया गया था। फरवरी में भी, पीएम मोदी को 78 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ दुनिया के सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता के रूप में आंका गया था।

### संक्षिप्त समाचार

## लालू यादव ने सहपरिवार किए तिरुपति बालाजी के दर्शन

**तेजस्वी और तेज प्रताप ने कराया मुंडन**

**तिरुपति ।**

आरजेडी सुप्रीमों लालू प्रसाद यादव ने अपने पूरे परिवार के साथ तिरुपति बालाजी का दर्शन किया है। इसकी तस्वीरें शनिवार को उनके बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव ने शेयर की हैं। तेजस्वी ने मंदिर में दर्शन की जो तस्वीरें साझा की है, उसमें लालू, राबड़ी देवी, तेजस्वी, तेज प्रताप यादव, राजश्री और साथ में बेटी कात्यायनी दिख रही है। तेजस्वी ने तस्वीरें शेयर कर लिखा है कि आज सुबह आंध्र प्रदेश के तिरुमाला पर्वत स्थित उत्कृष्ट शिल्प कौशल के अद्भुत उदाहरण एवं भक्ति, विश्वास और श्रद्धा के प्रतीक भगवान श्री तिरुपति बालाजी मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना व दिव्य दर्शन कर सकारात्मक ऊर्जा एवं आशीर्वाद प्राप्त किया तथा गर्भगृह में विराजमान भगवान वेंकटेश्वर से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और कल्याण के लिए मंगल प्रार्थना की। शनिवार को शादी की सालगिरह के विशेष मौके पर बेटी कात्यायनी का मुंडन संस्कार भी संपन्न हुआ। तेजस्वी ने जो तस्वीर साझा की है, उसमें लालू प्रसाद यादव की पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री रहीं राबड़ी देवी दिख रही हैं। इस तस्वीर में तेजस्वी और तेज प्रताप यादव भी हैं। इन दोनों ने मुंडन कराया है। तेजस्वी ने अपनी बेटी कात्यायनी का भी मुंडन कराया है।

## सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाया है : राजनाथ

**नई दिल्ली।**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बताया कि आर्थिक विकास लिंग तटस्थ होना चाहिए। सरकार ने पहले की उस कहानी को सफलतापूर्वक बदल दिया है जिसमें अर्थव्यवस्था के विकास का श्रेय अकेले पुरुषों के योगदान को दिया जाता था।शीर्ष व्यापार मंडल फिक्की की 96वीं वार्षिक आम बैठक और सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, महिलाओं को सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता रही है। हमने यह सुनिश्चित किया है कि भारत का आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक विकास न केवल पुरुषों के बल पर हो, बल्कि नारी शक्ति के आधार पर भी हो। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदमों को गिनाते हुए सिंह ने कहा, लड़कियां अब सैनिक स्कूलों में पढ़ रही हैं, जबकि महिला अधिकारियों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में प्रशिक्षित किया जा रहा है। अब महिलाओं को लड़ाकू पायलट के रूप में नियुक्त किया जा रहा है, युद्धपोतों पर तैनात किया जा रहा है और सीमा पार अग्रिम चौकियों पर तैनात किया जा रहा है। इसके अलावा, अग्निपथ योजना के माध्यम से बड़ी संख्या में युवा लड़कियां सशस्त्र बलों में शामिल हो रही हैं। मंत्री ने कहा कि भारत एक वैश्विक विकास इंजन के रूप में उभरा है और दुनिया को एक नई दिशा प्रदान कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय विकास की कहानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में एक अरब से अधिक भारतीयों की कड़ी मेहनत और क्षमता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सरकार की परिवर्तनकारी नीतियों और कार्यक्रमों ने भारतीय विकास की कहानी को शक्ति दी है, जिसके विभिन्न पहलू आज की दुनिया को आकार दे रहे हैं। मंत्री ने कहा, भारत ने प्रतिबद्धता जताई है कि उसका विकास पर्यावरणीय क्षरण की कीमत पर नहीं होगा। हमने हरित विकास का रास्ता चुना है। हमने पेरिस समझौते पर हस्ताक्षर किये। हमने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन बनाया है। हमने स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए पहल की है। हमने जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता भी कम कर दी है।

## पुलिस छावनी में बदला लुधियाना रेलवे स्टेशन

**लुधियाना।** शुक्रवार देर रात रेलवे स्टेशन देखते ही देखते पुलिस छावनी में तबदील हो गया। रेलवे स्टेशन पहुंची पुलिस टीमों ने चैकिंग शुरू कर दी। इस तलाशी अभियान के दौरान टीमों ने प्लेटफार्म नंबर 1 से लेकर 7 तक चैकिंग की। इस तलाशी अभियान में एसीपी सुमित सूद, थाना सलेम टाबरी के इंस्पैक्टर हरजीत सिंह, थाना कोतवाली के इंचार्ज गगनदीप सिंह, थाना दरेसी के इंस्पैक्टर बलविंदर सिंह, थाना डिवीजन 2 के इंस्पैक्टर अमृतपाल शर्मा समेत करीब 70 पुलिस मुलाजिम और जीआरपी के मुलाजिम शामिल थे। इससे पहले दोपहर को भी साइबर क्राइम राजकुमार की अगुवाई में भी तलाशी अभियान चलाकर रेलवे स्टेशन पर चैकिंग की गई थी, लेकिन देर रात एक बार फिर अधिकारियों ने स्पैशल चैकिंग की। सूत्रों का कहना है कि पुलिस को कोई विशेष सूचना मिली थी। इधर पुलिस का कहना है कि यह रूटीन चैकिंग थी। एडीसीपी ने बताया कि कोरडोन एंड सर्च आप्रेशन के चलते रेलवे स्टेशन पर सर्च अभियान चलाया था। इस दौरान पुलिस टीमों ने रेलवे प्लेटफार्म के अलावा रेलवे परिसर व माल गोदाम में भी चैकिंग की है। प्लेटफार्म नंबर 1 पर जम्मू से दिल्ली की तरफ जाने वाली ट्रेन की भी गहनता से जांच की गई है। रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध लोगों से पूछताछ की है। इससे रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों में सवार होने के लिए यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। देर रात रेलवे स्टेशन पर पहुंची बिहार की तरफ जाने वाली ट्रेन में सवार होने वाले यात्री धक्का-मुक्की करते दिखे। स्लीपर व जनरल डिब्बों में सवार होने के लिए यात्रियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी।

## प्रधानमंत्री मोदी ने की सोनिया गांधी के दीर्घायु होने की कामना

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईश्वर से कामना की है कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दीर्घायु रहें। श्रीमती गांधी के 77वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'श्रीमती सोनिया गांधी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और अच्छा स्वास्थ्य प्रदान करे।' वहीं कांग्रेस ने शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'उस व्यक्ति को जन्मदिन की शुभकामनाएं जो सत्यनिष्ठा, करुणा और साहस के उच्चतम गुणों का प्रतीक है। वह शक्ति का एक स्तंभ हैं, जिन्होंने बड़ा त्याग करते हुए अपना जीवन सार्वजनिक सेवा के लिए समर्पित कर दिया है।' इसके अलावा समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी सोनिया गांधी को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, 'श्रीमती सोनिया गांधी जी को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। उनके अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करता हूं।' वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख ने भी पोस्ट करते हुए लिखा, 'श्रीमती सोनिया गांधी जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं।' सोनिया गांधी का जन्म 9 दिसंबर, 1946 को इटली में हुआ था। वह सबसे लंबे समय तक कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं। उन्होंने पिछले कुछ साल से स्वास्थ्य संबंधी कारणों के चलते सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली है और उनके बेटे राहुल गांधी एवं बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा पार्टी में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

## भारत में 50 वर्ष से कम आयु के 5 लाख से अधिक व्यक्तियों की मृत्यु हार्ट अटैक से

### - राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सदन को बताया

**नई दिल्ली ।**

भारत में 50 वर्ष से कम आयु के 5 लाख से अधिक व्यक्तियों की मृत्यु हार्ट अटैक से हुई है। शुक्रवार को इसकी जानकारी राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने दी। उन्होंने कहा कि फाइजर की वैक्सीन जो अमेरिका में कई लोगों को लगाई गई थी, जब उन पर दबाव आया, तब अब जाकर उन्होंने बताया है कि इस वैक्सीन के क्या-क्या साइड इफेक्ट हैं। उन्होंने कहा कि शायद हमें इस पर भी आत्मचिंतन करने की आवश्यकता है। कोविड के गंभीर स्वरूप में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जो दवाइयां बताई, क्या उसमें कहीं कोई कमी रह गई। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण विषय है।

इस पर खास तौर पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस विषय पर गाइडलाइंस दिए हैं लेकिन वह इतनी पुख्ता नहीं है कि इस समस्या का समाधान दे सकें।उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में इसतरह के लोग हैं, जिन्हें हृदय रोग की कोई समस्या नहीं थी, लेकिन अचानक हार्ट अटैक से उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा कि भारत में हार्ट अटैक की बढ़ती घटनाएं चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को इस विषय पर थोड़ी और ज्यादा रिसर्च कर डाटा एकत्र करना चाहिए। इसके जरिए यह देखा जाना चाहिए कि कोरोना के उपरांत क्या प्रभाव हो रहे हैं। इसके साथ ही यह भी देखा जाना चाहिए कि जो दवाई व जो वैक्सीन है, उस लेकर हमें रिसर्च, फ्रेमवर्क बनाना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्रालय को फ्रेमवर्क बनाना होगा कि 50 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों में हार्ट अटैक को कैसे काबू में ला सकते है। उन्होंने कहा कि लैंसेट (रिसर्च पत्रिका) की स्टडी बताती है कि भारत में 5 से 6 लाख लोगों की हार्ट अटैक से मृत्यु हुई है और यह सभी 50 वर्ष से कम आयु के थे। यह सिर्फ उनके परिवारों के लिए ही बल्कि देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी दुख का विषय है। युवाओं की हार्ट अटैक से मृत्यु होना चिंता का कारण है।

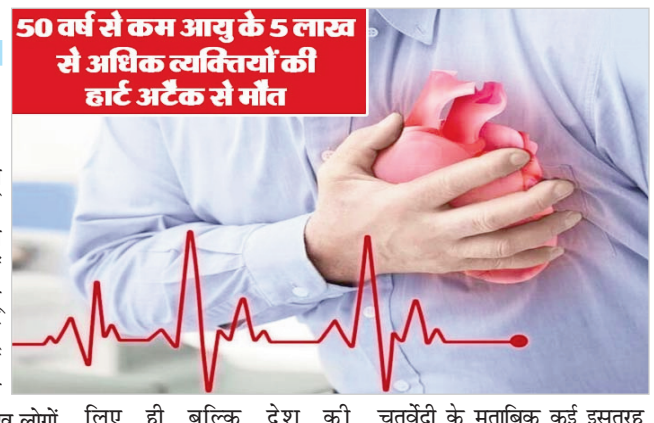


चतुर्वेदी के मुताबिक कई इसतरह के मामले सामने आए हैं, जहां क्रिकेट खेलते खेलते हुए खिलाड़ी की हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

## सदस्यता पर आंच

नकदी या किसी प्रलोभन के बदले में संसद में सवाल पूछने के आरोप में एक सांसद की सदस्यता छिन जाने का एक और विरल मामला न केवल चिंताजनक, बल्कि समग्रता में बहुत दुखद भी है। अव्वल तो ऐसे हालात बनने ही नहीं चाहिए, लेकिन अगर बनते भी हैं, तो इनका पटाक्षेप तार्किक और पारदर्शी होना चाहिए। सत्ता पक्ष ने जिस तरह से अपने सांसदों को शुक्रवार को संसद बुलाया था, उससे यह संभावना पहले ही जताई जा रही थी कि कोई बड़ा फैसला होने वाला है। सदन में बहस के बाद तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया। विपक्ष बहस के लिए ज्यादा समय मांग रहा था। साथ ही, यह भी मांग थी कि महुआ मोइत्रा को जवाब देने का मौका मिले। खैर, उन्होंने सदन के बाहर ही अपना जवाब पढ़ा, आरोपों से पुरजोर इनकार किया। उनके इनकार के साथ विपक्ष की एकजुटता गौरतलब है। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी खुलकर साथ आ गए हैं। मतलब, आने वाले दिनों में इस मामले में सरगर्मी वैसे ही बढ़ी रहेगी, जैसे राहुल गांधी की सदस्यता जाते समय रही थी। लोकतंत्र में राजनीतिक पार्टियों के बीच संघर्ष नई बात नहीं है, यह शायद जरूरी भी है, मगर किसी सत्य या असत्य पर राजनीतिक ढंग से जो भ्रम पैदा किया जाता है, वह जनता के मुफीद नहीं है। क्या यह चिंता की बात नहीं है कि संसद के लिए 'कंगारू कोर्ट' जैसे शब्द का इस्तेमाल किया गया? इस शब्द का इस्तेमाल साल 2005 में भी हुआ था, जब धन के बदले प्रश्न मामले में 11 नेताओं की सदस्यता छिन गई थी। कांग्रेस के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के दौर में तब जिन सांसदों की सदस्यता गई थी, उनमें ज्यादातर भाजपा के थे, जिन्हें एक स्टिंग ऑपरेशन में सवालों का सौदा करते देखा गया था। तब सदस्यता जाने के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने कहा था कि बर्खास्तगी जैसी सजा बहुत ज्यादा है। खैर, तब उनकी नहीं सुनी गई थी और आज ममता बनर्जी या अधीर रंजन चौधरी की नहीं सुनी जा रही है। भारतीय राजनीति का यह पहलू विचारणीय है कि अच्छी मिसालों पर कम चला जाता है और बुरी मिसालें हमेशा चलन में रहती हैं। आम लोग यह उम्मीद ही कर सकते हैं कि देश की सर्वोच्च और उच्च पंचायतें अच्छी अकाट्य परंपराओं के साथ चलेंगी, ताकि सजा पाने वाला कोई भी सदस्य संसदीय व्यवहार को लेकर किसी प्रकार की शिकायत न कर सके। महुआ मोइत्रा से जुड़े अनेक आरोप या शिकायतें हैं, जिनकी चर्चा बार-बार होगी, लेकिन जिस प्रकार से एक सांसद का लॉग-इन पासवर्ड एक उद्यमी के पास पाया गया, वह निस्संदेह अफसोस की बात है। यह तो और भी चिंताजनक है कि इस संबंध में पहले कोई नियम-कायदा ही नहीं था और पता नहीं, हमारे कितने माननीय सांसदों का लॉग-इन पासवर्ड दुनिया में कितने लोगों के पास मौजूद होगा? ऐसे सांसदों को तो विशेष रूप से गंभीर हो जाना चाहिए, जो अब तक आधुनिक प्रौद्योगिकी के हिसाब से पारंगत नहीं हुए हैं। माननीय सांसदों का पासवर्ड अगर किसी अपराधी के हाथ लग जाए, तब पता नहीं वह देश का कितना नुकसान कर जाए? मगर जिस संसद ने अपने एक सदस्य से सदस्यता छीन ली है, उसको अपने सांसदों की तकनीकी कुशलता और गोपनीयता सुरक्षा का भी पूरा प्रबंध करना चाहिए। इसके लिए सबसे जरूरी है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के सांसदों का विचार-व्यवहार नैतिकता के पैमाने पर एक समान हो।

## आज का राशिफल

**मेष** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**वृषभ** जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

**मिथुन** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

**कर्क** जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

**सिंह** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

**कन्या** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

**तुला** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

**वृश्चिक** पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

**धनु** व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**मकर** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**कुम्भ** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**मीन** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

# भारत में विवाह समारोहों की अर्थव्यवस्था

**भारत में त्यौहारी मौसम में अक्टोबर 2023 माह में 23 लाख वाहनों की बिक्री हुई है। 4 लाख चारपहिया वाहन एवं 19 लाख दोपहिया वाहनों की बिक्री हुई है। आने वाले शादियों के मौसम में भी इस वर्ष वाहनों की जबरदस्त बिक्री होने की सम्भावना है। उक्त वर्णित कारणों के चलते ही भारत में तेजी से गरीबी एवं बेरोजगारी भी कम हो रही है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2022-23 में दक्षिण अफ्रीका में बेरोजगारी की दर 32.8 प्रतिशत रही है और ईरान में 9.4 प्रतिशत, ब्राजील में 8.3 प्रतिशत, पाकिस्तान में 8.5 प्रतिशत, फ्रान्स में 7.4 प्रतिशत, इटली में 7.9 प्रतिशत, चीन में 5.3 प्रतिशत, ब्रिटेन में 4.2 प्रतिशत और अमेरिका में 4 प्रतिशत बेरोजगारी की दर पाई गई है।**

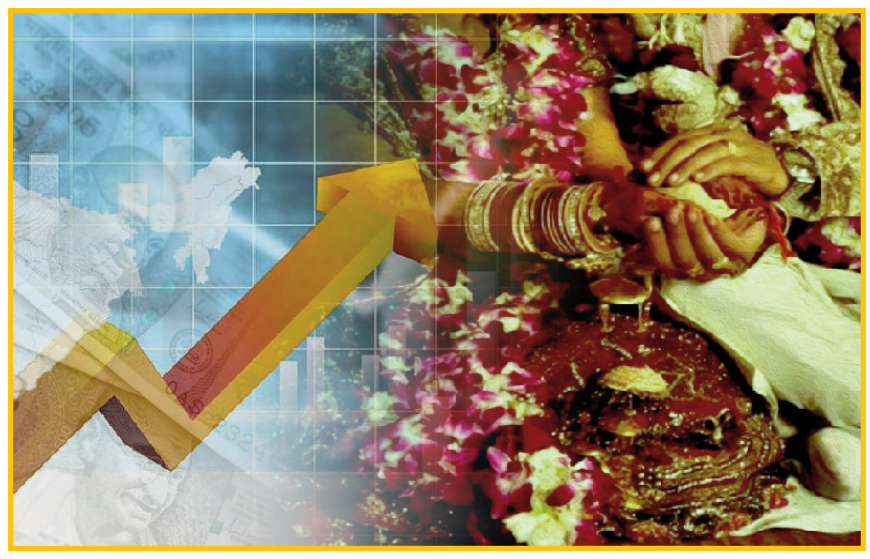



(लेखक- प्रहलाद सबनानी )

भारतीय सनातन संस्कृति के अनुसार पवित्र शादियों के धार्मिक संस्कारों के माध्यम से दो आत्माओं का मिलन कराया जाता है। कहा तो यहां तक भी जाता है कि दूल्हा और दुल्हन शादी के धार्मिक संस्कारों के माध्यम से सात जन्मों तक के लिए एक दूसरे के हो जाते हैं। इसलिए, शादी के समय विभिन्न अध्यात्मिक, धार्मिक एवं सांसारिक संस्कारों को सम्पन्न कराने के लिए समाज के गणमान्य नागरिकों, नाते रिश्तेदारों, परिवार के सदस्यों को साथ लेकर विभिन्न प्रकार के भव्य आयोजन सम्पन्न किए जाते हैं। इन आयोजनों में विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न होते हैं एवं आजकल तो ऐसे शुभ अवसरों पर भारी मात्रा में व्यय भी किया जा रहा है। शादी के विभिन्न आयोजनों पर किए जाने वाले भारी भरकम खर्च से देश की अर्थव्यवस्था को बल मिलता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में नवम्बर 2023 माह से लेकर आगामी लगभग 4 माह के दौरान 38 लाख से अधिक शादियों के आयोजन सम्पन्न होने जा रहे हैं। केवल 4 माह की इस अवधि में लगभग 4.75 लाख करोड़ की राशि का व्यय होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 35 लाख शादियों पर 3.75 लाख करोड़ रुपए की राशि का व्यय हुआ था। कन्फेडरेशन ओफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के अनुसार, भारत में इस वर्ष शादियों के मौसम में सबसे अधिक खर्च करने का विश्व रिकार्ड बनाया जा सकता है। पिछले वर्ष इसी अवधि की तुलना में इस वर्ष एक लाख करोड़ रुपए अधिक राशि शादियों पर खर्च होने जा रही है। शादी के विभिन्न कार्यक्रमों में विभिन्न मदों पर होने वाले खर्च के सम्बंध में भी अनुमान लगाए गए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, इस वर्ष नए कपड़े और नई ज्वेलरी को खरीदने की मद पर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होने वाली है, मेहमानों की खातिरदारी पर 60,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होने जा रही है, शादी समारोह से जुड़े कार्यक्रमों पर 60,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च होने जा रही है। विश्व का कोई भी देश शादियों के मौसम में इतनी भारी भरकम राशि का खर्च नहीं करता दिखाई दे रहा है क्योंकि अन्य देशों में शादी के समारोहों पर इतना खर्च किया ही नहीं जाता है। यह तो भारतीय सनातन संस्कृति ही है जिसके अंतर्गत शादी के समय विभिन प्रकार के संस्कार सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कई प्रकार के आयोजन सम्पन्न किए जाते हैं। आज विकसित देशों में तो विवाह नामक संस्था उपलब्ध ही नहीं है और 卐लव मैरिज卐 नामक रिवाज का पालन किया जा रहा है। साथ ही अब तो बगैर विवाह के 卐लिव इन रिलेशन卐 नामक रिवाज ही चल पड़ा है। विकसित देशों के युवा इस प्रकार के रिवाजों के चलते बच्चे भी पैदा नहीं कर रहे हैं और कुछ समय पश्चात ही आपस में रिश्तों को 卐तलाक卐 का रूप दे देते हैं। यदि इस बीच किसी जोड़े को बच्चा हो भी जाता है तो उसे 卐सिंगल पेरेंट卐 के रिवाज के तहत केवल मां के पास ही रहना होता है। इस प्रकार वह बच्चा अपने पिता के प्यार से वंचित रहता है और उस बच्चे का मानसिक विकास नहीं हो पाता है। इन्हीं कारणों के चलते आज विश्व के कई देशों में बुजुर्गों की संख्या तो बढ़ती जा रही है परंतु युवाओं की संख्या कम होती जा रही है, जिसका सीधा सीधा प्रभाव इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

अतः कुल मिलाकर यह सनातन संस्कृति के संस्कार ही हैं जो भारत में आज भी कुटुंब व्यवस्था को जीवित रखे हुए हैं। संयुक्त परिवार सामान्यतः केवल भारत में ही दिखाई देते हैं, जहां बुजुर्गों की देखभाल इन संयुक्त परिवारों में बहुत ही सहज तरीके से होती है। अन्यथा, विकसित देशों में चूंकि संयुक्त परिवार का चलन नहीं के बराबर है अतः बुजुर्गों की देखभाल इन देशों की सरकार को 卐सोशल बेनीफिट्स卐 योजना के अंतर्गत करनी होती है। आज कुछ देशों में तो 卐सोशल बेनीफिट्स卐 की मद पर इतना अधिक खर्च होने लगा है कि इन देशों की बजट व्यवस्था ही भारी दबाव में आ गई है। इसके ठीक विपरीत, भारत में विभिन्न त्यौहार भी बड़े ही उत्साह से मनाए जाते है जिसके कारण भारत में सामाजिक तानाबाना ठीक बना हुआ है। इसी सामाजिक तानेबाने के ठीक अवस्था में रहने के चलते ही इस वर्ष, दीपावली एवं धनतेरस के त्यौहारी मौसम में भारत में 3.75 लाख करोड़ रुपए का व्यापार हुआ है। साथ ही, केवल करवा चौथ के दिन 15,000 करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न हुआ था।

भारत में त्यौहारी मौसम में अक्टोबर 2023 माह में 23 लाख वाहनों की बिक्री हुई है। 4 लाख चारपहिया वाहन एवं 19 लाख दोपहिया वाहनों की बिक्री हुई है। आने वाले शादियों के मौसम में भी इस वर्ष वाहनों की जबरदस्त बिक्री होने की सम्भावना है। उक्त वर्णित कारणों के चलते ही भारत में तेजी से गरीबी एवं बेरोजगारी भी कम हो रही है। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2022-23 में दक्षिण अफ्रीका में बेरोजगारी की दर 32.8 प्रतिशत रही है और ईरान में 9.4 प्रतिशत, ब्राजील में 8.3 प्रतिशत, पाकिस्तान में 8.5 प्रतिशत, फ्रान्स में 7.4 प्रतिशत, इटली में 7.9 प्रतिशत, चीन में 5.3 प्रतिशत, ब्रिटेन में 4.2 प्रतिशत और अमेरिका में 4 प्रतिशत बेरोजगारी की दर पाई गई है। उक्त आंकड़ों के विपरीत भारत में इस अवधि के दौरान बेरोजगारी की दर में बहुत कमी दृष्टिगोचर हुई है। आज भारत में उच्च निवल सम्पत्ति वाले नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। अतः समस्त मेहमानों सहित अब विदेश में जाकर शादी की रस्में सम्पन्न करने का प्रचलन भारत में बहुत बढ़ गया है। अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी को देश के नागरिकों से यह अपील करनी पड़ी है कि विदेश में जाकर शादी की रस्में पूर्ण नहीं करे क्योंकि इससे शादी की रस्मों पर होने वाले व्यय का लाभ उस देश को मिल रहा है जबकि भारत में ही पर्याप्त मात्रा में पर्यटन स्थल उपलब्ध हैं, जहां आसानी से शादियां विधि विधान से सम्पन्न कर विवाह समारोह भी आयोजित किए जा सकते हैं। इससे शादी पर होने वाले खर्च का लाभ भारतीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा और देश का पैसा भी देश में ही बना रहेगा। आज भारतीय नागरिकों द्वारा सनातन संस्कृति के संस्कारों के पालन का लाभ भी भारतीय अर्थव्यवस्था को निश्चित रूप से स्पष्टतः मिलता दिखाई दे रहा है और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास की दर को लगातार बढ़ाते जा रहे हैं। अभी हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मोनेटरी फंड ने केलेंडर वर्ष 2024 के लिए भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है, जबकि अमेरिकी में यह वृद्धि दर 1.5 प्रतिशत, जर्मनी में 0.9 प्रतिशत, फ्रान्स में 1.3 प्रतिशत, जापान में रिणात्मक 1 प्रतिशत, चीन में 4.2 प्रतिशत और रूस में 1.1 प्रतिशत विकास दर रहने का अनुमान लगाया गया है।

# नोबेल पुरस्कारों का 122 वर्ष का सफरनामा

(लेखक – योगेश कुमार गोयल)

(नोबेल पुरस्कार वितरण समारोह (10 दिसम्बर) पर विशेष)

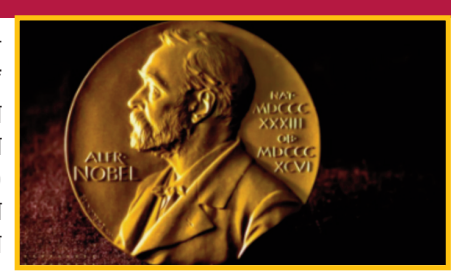

स्वीडन के जाने-माने वैज्ञानिक एल्फ्रेड नोबेल की पुण्य स्मृति में प्रतिवर्ष 10 दिसम्बर को स्टॉकहोम (स्वीडन) में आयोजित एक भव्य समारोह में नोबेल फाउंडेशन द्वारा कुछ महान् हस्तियों को दुनिया का सर्वोच्च सम्मान 'नोबेल पुरस्कार' प्रदान किया जाता है। प्रतिवर्ष यह पुरस्कार विश्व शांति, चिकित्सा शास्त्र, अर्थशास्त्र, साहित्य, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को दिया जाता है। विजेताओं के नामों की घोषणा करीब दो माह पूर्व अक्तूबर माह में ही कर दी जाती है। वर्ष 2023 में नोबेल पुरस्कार छह अलग-अलग श्रेणियों में कुल 11 व्यक्तियों तथा संगठनों को दिए गए हैं। इस वर्ष दुनिया की जिन महान् हस्तियों को नोबेल पुरस्कार प्रदान किए जा रहे हैं, उनमें शांति का नोबेल पुरस्कार महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ने वाली पत्रकार और ईरानी कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी को ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ उनकी अथक लड़ाई और मानवाधिकारों एवं स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए प्रदान किया गया है। साहित्य में 2023 का नोबेल नॉर्वेजियन लेखक जॉन फॉसे को उनके नवोन्मेषी नाटकों और गद्य के लिए दिया गया, जिनमें उन्होंने नाटकों, उपन्यासों, कविता, निबंधों, बच्चों की किताबों और अनुवादों सहित विविध शैलियों में अनकहे को आवाज दी।

2023 का अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार महिला श्रम शक्ति भागीदारी पर उल्लेखनीय कार्यों के लिए हार्वर्ड प्रोफेसर क्लाउडिया गोल्डिन को दिया गया है। क्लाउडिया ने सदियों से महिलाओं की कमाई और श्रम बाजार भागीदारी का पहला व्यापक विवरण प्रदान किया। चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार संयुक्त रूप से हंगरी के सागन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कैटालिन कारिको और पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर ड्रू वीसमैन को एमआरएनए (मैसेंजर राइबोन्यूक्लिक एसिड) तकनीक में उनके अग्रणी कार्य के लिए दिया गया, जो कोविड-19 वैक्सीन विकास में सहायक है। भौतिकी का नोबेल पुरस्कार संयुक्त रूप से तीन प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों पियरे ऑगस्टिनी, फेरेंस क्राउसज और एनी एलशहुलियर को दिया गया है। रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार क्वांटम डॉट्स के अभूतपूर्व आविष्कार और संश्लेषण के लिए संयुक्त रूप से मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी के मौंगी जी बावेंडी, कोलंबिया विश्वविद्यालय के लुईस ई ब्रुस तथा नैनोक्रिस्टल टैक्नोलॉजी में काम करने वाले एलेक्सी आई एकिमोव को दिया गया है।

नोबेल पुरस्कारों को लेकर यह जानना बहुत दिलचस्प है कि इन पुरस्कारों को दुनिया का सर्वोच्च सम्मान क्यों माना जाता है। दरअसल इस पुरस्कार में इस वर्ष यानी 2023 में नोबेल पुरस्कार विजेताओं को 10 मिलियन स्वीडिश क्राउन राशि दी जाएगी, जो भारतीय मुद्रा में करीब 7.52 करोड़ रुपये होगी। यह राशि विश्वभर में किसी भी कार्य के लिए दिए जाने अन्य पुरस्कारों की राशि से बहुत अधिक है। यदि किसी एक क्षेत्र में एक से अधिक विजेता होते हैं तो उस क्षेत्र में दिए जाने वाले नोबेल पुरस्कार की राशि विजेताओं में नियमानुसार बांट दी जाती है। इस पुरस्कार राशि के अलावा प्रत्येक विजेता को करीब 6 सेंटीमीटर व्यास का 200 ग्राम वजनी 23 कैरेट सोने का पदक भी दिया जाता है। नोबेल पुरस्कारों की शुरूआत 10 दिसम्बर 1901 को डा. एल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि के अवसर पर ही की गई थी और तभी से ये पुरस्कार प्रतिवर्ष निरन्तर दिए जा रहे हैं। शुरूआत में रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र, चिकित्सा शास्त्र, साहित्य और विश्व शांति के क्षेत्र में ही नोबेल पुरस्कार दिए गए और पुरस्कार के तहत करीब साढ़े पांच लाख रुपये की धनराशि दी गई थी। बाद में अर्थशास्त्र के क्षेत्र में भी यह पुरस्कार दिया जाने लगा। नोबेल पुरस्कार की स्थापना स्वीडन के वैज्ञानिक डा. एल्फ्रेड नोबेल द्वारा की गई थी। 10 दिसम्बर 1896 को उनकी मृत्यु हो गई थी लेकिन अपनी मृत्यु से पहले ही उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों के लिए भारी-भरकम धनराशि देने के लिए 27 नवम्बर 1895 को एक वसीयत लिख दी थी। उस वसीयत के अनुसार उन्होंने अपनी करीब 90 लाख डॉलर मूल्य की कुल सम्पत्ति से मिलने वाले ब्याज का उपयोग करते हुए रसायन, भौतिकी, चिकित्सा, साहित्य और विश्व शांति के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने का अनुरोध करते हुए इसके लिए धन के इस्तेमाल हेतु एक ट्रस्ट की स्थापना का प्रावधान किया था। 21 अक्तूबर 1833 को जन्मे एल्फ्रेड नोबेल ने डायनामाइट का आविष्कार किया था और 1867 में इंग्लैंड में उस पर पेटेंट भी ले लिया था। पेटेंट हासिल करने के बाद एल्फ्रेड



काफी अमीर हो गए थे क्योंकि डायनामाइट अत्यधिक उपयोगी साबित हुआ। अपने उस आविष्कार से बहुत पैसा कमाने के बावजूद उन्हें धक्का तब लगा, जब उनकी उस खोज के लिए उन्हें विध्वंसक प्रवृत्ति का व्यक्ति माना जाने लगा। यही कारण रहा कि उन्होंने अपनी कमाई गई बेशुमार दौलत में से ही कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों के लिए नोबेल पुरस्कार शुरू करने का विचार किया।

दुनिया का यह सबसे प्रतिष्ठित सम्मान कभी-कभार विवादों के साये में भी घिरा है लेकिन फिर भी वास्तविकता यही है कि दुनिया का बड़े से बड़ा शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति रहा हो, जिसे इस पुरस्कार को पाने की लालसा न रही हो। नोबेल पुरस्कारों की महत्ता की बात की जाए तो इनका सबसे मजबूत पक्ष यही है कि इस पुरस्कार को पाने की आस में ही सही, विश्वभर के अनेक राष्ट्र प्रमुखों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों द्वारा भी अपने क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य करने के प्रयास किए जाते रहे हैं। सही मायनों में नोबेल पुरस्कार समूची मानवता को सामाजिक न्याय, लोकतंत्र तथा शांति के नजदीक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं।

(लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

विचार मंथन

# ईमानदारी से कमाया पैसा बरकत देता है

(लेखक – नरेन्द्र भारती)

कहते है ईमानदारी से कमाया पैसा बरकत देता है ।ईमानदार आदमी अपने मानवता के लिए किए गए पुनीत कार्यो से अमर हो जाता है ।समाज में ईमानदारों की मिसाले दी जाती है। ईमानदारी के रास्तें में मुसीबते बहुत है लेकिन ईमानदारी से किए गए कार्यों के बाद जो खुशी होती है उसे करोडों रुपयों से भी हासिल नहीं किया जा सकता ।ईमानदार आदमी पहले दुसरों का भला सोचता है कि कौन असली जरुरतमंद है ।ईमानदार समाज के हित में अपना जीवन सर्मपित कर देता है ।ईमानदारी कर कोई सानी नहीं है ।ईमानदारी युंगों-यंगों तक रहती है ।ईमानदारी की कभी हार नहीं होती। ईमानदारी एक अच्छी नीति है ।आज ईमानदार लोगों की खिल्ली उडाई जाती है ।ईमानदारों के खिलाफ षड़यंन्त्र रचे जाते है मगर ईमानदारों पर आंच नहीं आती ।ईमानदारी की हमेशा जीत हुई है ।यह एक शाश्वत सत्य है। ईमानदार आदमी द्वारा समाज के लिए निस्वार्थ भाव से किए गए महान कार्यो के लिए समाज उसे युगों युगों तक याद रखता है। वर्तमान समाज में ईमानदारी पर बेईमानी हावी होती जा रही है मगर बेईमानी औंधे मुह गिर जाती है ।सांच को आंच नहीं आती ।ईश्वर भी ईमानदारों का साथ देता है। समाज की रचना के लिए सादगीपूर्ण जीवन जीने की कोशिश करनी चाहिए ।मानव को हमेशा समानता व एक समान व्यवहार करना चाहिए। क्योकि जो आदमी भेदभाव करता है वह मानवता के नाम पर कलंक है ।कहते है कि व्यक्ति को अपना अतीत नहीं भूलना चाहिए भले ही आदमी कितनी ही उंचाईयां छू लें ।एक कहावत है कि मानव कितना भी अमीर हो जाए वह अपना अतीत नहीं खरीद सकता? आज दुनिया में कुछ ऐसे लोग है जो कभी दाने-दाने को मोहताज थे। मानव को सदा अच्छे कर्म करने चाहिए क्योकि अगर तुम अच्छा करोगे अच्छाई ही मिलेगी दुनिया युगों-युगों तक याद रखेगीं ।अभावग्रस्त लोगों की सहायता करनी चाहिए ।भूखे को रोटी खिलाओं,जरुरतमंदो की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है ।हमेशा अच्छा करोगे तो अमर हो जाओगे। अगर तुम किसी का अच्छा नहीं कर सकते तो बुरा भी मत करो किसी को मत सताओ ।पैसे से गुजरा हुआ समय खरीदना नामुमकिन है। पैसा ही सब कुछ नहीं होता मगर आज रिश्ते तराजू पर तोले जाते है अगर कोई गरीब है तो उसके साथ भेदभाव किया जाता है ।वक्त बदलते देर नही लगती इसलिए आदमी को अपना अतीत याद करते रहना चाहिए ।ताकि विपतीयो का अहसास होता रहे। वर्तमान परिवेश में मानव इतना स्वार्थी व मौकापरस्त होता जा रहा है कि खुद को खुदा से उपर समझने लगा है। आज वह भगवान के साथ छल -कपट तक करने से नहीं चुकता मगर जब उसकी मार पडती है तो होश ठिकाने आ जाते हैं। ऐसे लोगों के आदमियों की पहचान नहीं होती कि कौन अच्छा है कौन बुरा है। आज चापलूस लोगों का बोलबाला हो गया है लेकिन खुदा सब देख रहा है समय ने करवट बदली और उनका भाग्य भी बदल गया लेकिन वह लोग अपनी औकात भूल गये कि एक समय ऐसा भी था कि उनके पास एक जोडी कपडे होते थे ।खाने के लाले पडे होते थे। आज अच्छे दिन आ गये तो अपनों को भूल गये और हवा में उडने लगें लेकिन असली व नकली पंखों में फर्क होता है कार-कोठी को ही जीवन का लक्ष्य मान अन्य लोगो कों को नीचा दिखाने की कोशिश में लगे व्यक्तियों की पोल आखिकार खुल जाती है, समाज में आत्मकेन्द्रीत लोगों का जमावडा बढता जा रहा है ऐसे लोग सिर्फ अपनों के सिवाय दूसरों का अच्छा नहीं कर सकते ऐसे लोग जानवरों से भी बदतर हैं ।एक पत्थर सिर्फ एक बार मंदिर जाता है और भगवान बन जाता है इंसान हर रोज मंदिर जाते है फिर भी पत्थर ही रहते हैं प्रत्येक इन्सान का एक स्वाभिमान होता है उसे बनाए रखना चाहिए भले ही कितनी ही विपति आ जाए अपना स्वाभिमान बरकरार रखना चाहिए मानव को अपने स्वाभिमान के आसू हर जगह नहीं बहाने चाहिए।

जीवन में हम अनेक सुख-दुख देखते है,परन्तु क्या हमने किसी और के लिए कुछ करने के बाद सच्चे सुख की अनुभूति की है दूसरों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दीजिए ,खासकर उन्हे जो अनेक चीजों से वंचित ही रहे या जिन्हे दुख के सिवाय कुछ भी नहीं मिला। आप महसूस करेगें कि परोपकार का काम करने के बाद आपके होंठों पर आई मुस्कराहट दुनियाभर की दौलत से भी मंहगी होगी ।मानव नंगा आता है नंगा ही चला जाता है इस संसार में जो पैदा हुआ है उसे एक दिन इस नश्वर संसार को छोडना ही है आधुनिक युग में जीवन मूल्यों में गिरावट समाज में विष घोल कुंठा उत्पन्न कर रही है तनिक लाभ के लिए लोग अपना जमीर बेच रहे हैं। मानव को अपनी मर्यादा में रहना चाहिए ।समय बहुत ही बलवान है वक्त के थपेडों से कोई नहीं बच पाया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## इंडीग्रिड ने आईपी के जरिए 670 करोड़ जुटाए

**नई दिल्ली ।** बिजली क्षेत्र की बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट इंडीग्रिड ने संस्थागत नियोजन (आईपी) के जरिये 670 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने कहा कि भारत के पहले सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध बिजली क्षेत्र के बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) ने सेबी द्वारा निर्धारित संस्थागत नियोजन प्रक्रिया के माध्यम से सफलतापूर्वक 670 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बयान के अनुसार पांच दिसंबर को शुरू हुई आईपी में मौजूदा और नए भारतीय और वैश्विक संस्थागत निवेशकों, दोनों की ओर से मजबूत मांग देखी गई। इंडीग्रिड ने सितंबर, 2023 में तरजीही निर्गम के जरिए 400 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए थे। हाल ही में संपन्न संस्थागत नियोजन के साथ कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में सफलतापूर्वक 1,070 करोड़ रुपये का इक्विटी कोष जुटाया है। इंडीग्रिड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक बयान में कहा कि धन जुटाने की इस प्रक्रिया में हमें अपने यूनिट धारक आधार का विस्तार करने में मदद की है, जिसमें बीमा कंपनियों, पेंशन फंड, म्यूचुअल फंड और घरेलू संस्थानों के दीर्घकालिक निवेशकों से लेकर इंडीग्रिड के निवेशक आधार तक 90 प्रतिशत से अधिक की मांग शामिल है। हाल ही में संपन्न संस्थागत नियोजन और तरजीही आवंटन से प्राप्त आय का उपयोग ऋण को कम करने के लिए किया जाएगा।

## उच्च आर्थिक वृद्धि दर बनाए रखने निजी निवेश जरूरी: सीईए

**नई दिल्ली ।** मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि अगर निजी पूंजी निर्माण में तेजी आती है, तो भारत की आर्थिक वृद्धि तेज हो सकती है। नागेश्वरन ने कहा कि कोविड महामारी के बाद कंपनियों की वित्तीय बैलेंस शीट सकारात्मक रही है। उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आर्थिक वृद्धि के लिए हमें निवेश व्यय की जरूरत है। अगर बहुप्रतीक्षित निजी पूंजी निर्माण बढ़ जाए तो भारत की आर्थिक वृद्धि तेज हो सकती है। सीईए ने बताया कि निजी कॉरपोरेट क्षेत्र में विश्वास पैदा करने के लिए सरकार ने 2019 में कॉरपोरेट कर की दर कम कर दी थी। नागेश्वरन ने निजी क्षेत्र से अनिश्चितता को स्वीकार करने और सक्रिय रूप से निवेश करने का आग्रह किया।

## जीक्यूजी पार्टनर्स जीएमआर एयरपोर्ट्स में 4.7 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

**नई दिल्ली ।** जीक्यूजी पार्टनर्स जीएमआर एयरपोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर में 4.7 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की तैयारी कर रही है। इस खबर से जीएमआर समूह की कंपनी का शेयर 12 फीसदी चढ़कर 69 रुपये पर पहुंच गया। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार अदाणी समूह में दांव लगाकर सुर्खियों में आई अमेरिकी निवेश फर्म जीक्यूजी पार्टनर्स ने जीएमआर एयरपोर्ट्स में 59.1 रुपये प्रति शेयर पर 1,672 करोड़ रुपये का निवेश किया है। जीक्यूजी ने इस साल कई भारतीय कंपनियों में अपना निवेश बढ़ाया है। उसने सबसे बड़ा दांव अदाणी समूह के शेयरों पर लगाया है। मार्च के बाद अदाणी समूह की विभिन्न कंपनियों में जीक्यूजी के निवेश को अच्छा प्रतिफल मिला है। इस निवेश फर्म ने अदाणी समूह की पांच कंपनियों में करीब 4.2 अरब डॉलर का निवेश किया है। अदाणी समूह के शेयरों में हालिया तेजी के बाद उसके निवेश का मूल्य करीब 75 फीसदी बढ़कर 7.5 अरब डॉलर हो चुका है। जीक्यूजी ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 1,527 करोड़ रुपये के निवेश से 2.6 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है। इसके अलावा उसने पतंजलि फूड्स में 2,400 करोड़ रुपये के निवेश से करीब 6 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है।

# सुप्रीम कोर्ट ने चंदा कोचर की अंतरिम जमानत जारी रहने पर जताई नाराजगी

**नई दिल्ली ।**

सुप्रीम कोर्ट ने कथित वीडियोकॉन ऋण धोखाधड़ी मामले में आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ और एमडी चंदा कोचर को दी गई 11 महीने की अंतरिम जमानत जारी रखने पर नाराजगी जताई। शुरुआत में न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और एस.सी. शर्मा की पीठ के समक्ष कोचर की ओर से स्थगन का अनुरोध किया गया। न्यायमूर्ति त्रिवेदी ने केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू से पूछा कि क्या अंतरिम जमानत अभी भी जारी है? आप विरोध क्यों नहीं कर रहे? इस पर एएसजी राजू ने कहा कि सीबीआई आपत्ति जता रही है। अंतरिम आदेश को रद्द करने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट के समक्ष एक आवेदन दायर करेंगे। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत देने का आधार अपने आप में गलत है और इसलिए इसे सीबीआई द्वारा शीर्ष अदालत में चुनौती दी जा रही है। शीर्ष अदालत ने आखिरी मौका देते हुए कहा कि वह इस मामले पर 11 दिसंबर को सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत के समक्ष एक विशेष अनुमति याचिका में,

सीबीआई ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी है, जिसमें कोचर और उनके पति दीपक कोचर को इस आधार पर न्यायिक हिरासत से रिहा करने का निर्देश दिया गया था कि की गई गिरफ्तारी कानून के अनुसार नहीं थी। केवल दो सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत देने का 9 जनवरी का हाईकोर्ट का आदेश अभी भी जारी है। चंदा कोचर और उनके परिवार पर आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान वीडियोकॉन समूह को दिए गए ऋण के बदले में रिश्वत प्राप्त की थी।

## प्याज के लिए निर्यात नीति 31 मार्च 2024 तक प्रतिबंधित: डीजीटीएफ

**नई दिल्ली ।** सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए अगले साल मार्च तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है ताकि कीमतें नियंत्रण से बाहर न हो। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीटीएफ) ने एक अधिसूचना में कहा कि प्याज के लिए निर्यात नीति को 31 मार्च 2024 तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। हालांकि, डीजीएफटी ने कहा कि अन्य देशों को उनके अनुरोध के आधार पर सरकार द्वारा दी गई अनुमति के तहत प्याज के निर्यात की अनुमति दी जाएगी। प्याज के शिपमेंट, जिनकी लोडिंग इस अधिसूचना से पहले शुरू हो गई थी, को निर्यात करने की अनुमति है। इसके अलावा ऐसे मामलों में जहां शिपिंग बिल दाखिल किया गया है और जहाजों ने प्याज की लोडिंग के लिए पहले से ही भारतीय बंदरगाहों पर रखा है। इस अधिसूचना से पहले उनकी रोटेशन संख्या आवंटित की गई है कि निर्यात के लिए शिपमेंट की भी अनुमति है। सरकार ने पहले बढ़ती कीमतों पर अंकुश लगाने के प्रयास में निर्यात को हतोत्साहित करने के लिए 31 दिसंबर 2023 तक 800 डॉलर प्रति मीट्रिक टन का न्यूनतम निर्यात मूल्य लगाया था।

# बीते सप्ताह सेंसेक्स में रही तेजी, बैंक निफ्टी ने बनाया नया रिकॉर्ड

**मुंबई ।**

बीता सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के लिए अच्छा रहा। विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद जोरदार तेजी के साथ शुरू हुए बाजार सप्ताह के ओ खिरी दिन शुक्रवार को भी तेजी के साथ बंद हुए। ऐतिहासिक सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन भी एक नया रिकॉर्ड दर्ज हुआ और यह कीर्तिमान बनाया बैंक निफ्टी इंडेक्स ने बनाया। शुक्रवार के कारोबार के दौरान बैंक निफ्टी इंडेक्स 0.7 फीसदी उछलकर 47,170.25 अंक के स्तर तक पहुंच गया। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सोमवार को सेंसेक्स 1,248.89 अंकों की बढ़त के साथ 68,745.67 के रिकॉर्ड स्तर पर खुला और 1,383.93 अंकों की बढ़त के साथ पहली बार 68,865.12 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 386.70 अंक उछलकर पहली बार 20,654.60 के पार खुला और 418.90 अंक मजबूत होकर 20,686.80 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 297.70 अंकों तेजी के साथ 69,190.86 के स्तर पर खुला और 431.02 अंकों की बढ़त के साथ पहली बार 69,296.14 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 101.11 अंक मजबूत होकर 20,787.90 के लेवल पर खुला और 168.30 अंक मजबूत होकर 20,855.10 के नए रिकॉर्ड हाई पर बंद हुआ। बाजार के प्रमुख इंडेक्स बुधवार के कारोबारी दिन भी नए ऑल टाइम हाई पर पहुंचे। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 303 अंकों की बढ़त के साथ पहली बार 69,599 पर खुला और 357.59 अंक की मजबूती के साथ 69,653.73 अंक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 100 अंकों की बढ़त के साथ 20,955 के स्तर पर खुला और 82.60 अंक चढ़कर 20,937.70 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 69,444 पर खुला और 117 से ज्यादा अंकों की गिरावट के साथ 69,536 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 56 अंक फिसलकर 20,881 पर खुला और 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ 20,911 पर बंद हुआ। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 120 अंक मजबूत होकर 69,600 पर खुला और 303.91 अंक की बढ़त के साथ 69,825.60 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 45 अंक की बढ़त के साथ 20,950 पर खुला और 68.25 अंक की बढ़त के साथ 20969.40 के स्तर पर बंद हुआ।

# म्युचुअल फंडों के पास मौजूद संपत्तियां पहली बार 20 लाख करोड़ के पार

### - बीते महीने इसमें रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ का इजाफा हुआ

**नई दिल्ली ।** म्युचुअल फंडों (एमएफ) के पास मौजूद संपत्तियां (एयूएम) नवंबर में पहली बार 20 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गईं। शेयर बाजार में लगातार तेजी के कारण बीते महीने इसमें रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। नवंबर में निफ्टी 500 में आई तेजी से एयूएम में 8 फीसदी का उछाल आई है। म्युचुअल फंडों के संगठन एम्फी के आंकड़ों के मुताबिक मार्च ओ खिर की एयूएम के मुकाबले एक्टिव इक्विटी योजनाओं की संपत्तियां 34 फीसदी या 5.2 लाख करोड़ रुपये बढ़ी हैं। शेयर बाजार में मार्च के बाद आई तेजी और फंडों में निवेश बढ़ने से एयूएम में जोरदार इजाफा हुआ है। वित्त वर्ष 2024 में 30 नवंबर तक निफ्टी 15.7 फीसदी और सेंसेक्स 13.4 फीसदी बढ़ा है। इन 8 महीनों में म्युचुअल फंडों ने एक्टिव इक्विटी योजनाओं में 95,800 करोड़ रुपये का निवेश हासिल किया है, जो वित्त वर्ष 2023 की समान अवधि में 90,680 करोड़ रुपये था। नवंबर में एक्टिव इक्विटी योजनाओं में 15,536 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो अक्टूबर की तुलना में 22 फीसदी कम है मगर चालू वित्त वर्ष के औसत से ज्यादा है।

नवंबर में सकल निवेश 11 फीसदी कम होकर 38,885 करोड़ रुपये रहा। इन योजनाओं से निकासी लगभग 23,350 करोड़ रुपये रही, जो अक्टूबर में भी करीब इतनी ही थी। बाजार के जानकारों के मुताबिक दीवाली और बैंक में छुट्टियों के कारण संभवतः नवंबर में इक्विटी योजनाओं में निवेश प्रभावित हुआ है। कई संपत्तियों में आवंटन श्रेणी वाली योजनाओं में निवेश जारी रहा। एसआईपी ने भी नए निवेशक आकर्षित किए। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेशकों ने जमकर पैसे लगाए और नवंबर में इसमें कुल 17,073 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड निवेश हुआ।

## केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जूट पैकेजिंग मानदंडों को मंजूरी दी

**नई दिल्ली ।**

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जूट वर्ष 2023-24 के लिए अनिवार्य पैकेजिंग मानदंडों को मंजूरी दी। इसके तहत 100 प्रतिशत खाद्यान्न और 20 प्रतिशत चीनी की जूट की थैलियों में पैकिंग करना अनिवार्य होगा। इस निर्णय से जूट मिलों और सहायक इकाइयों में कार्यरत चार लाख श्रमिकों को राहत मिलने के साथ ही लगभग 40 लाख किसान परिवारों को समर्थन मिलेगा। जूट वर्ष एक जुलाई से 30 जून तक होता है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि इस प्रस्ताव से भारत में कच्चे जूट और जूट पैकेजिंग सामग्री के घरेलू उत्पादन क्षेत्र के हितों की रक्षा होगी। मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए विज्ञप्ति में कहा गया कि जूट वर्ष 2023-24 के लिए अनुमोदित अनिवार्य पैकेजिंग मानदंडों के तहत 100 प्रतिशत खाद्यान्न और 20 प्रतिशत चीनी की जूट की थैलियों में पैकिंग करना होगा। इस निर्णय से पर्यावरण की रक्षा में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार खाद्यान्नों की पैकिंग के लिए हर साल लगभग 12,000 करोड़ रुपये के जूट बोरे खरीदती है।

## अदालत ने एसडीबी से 100 करोड़ की बैंक गारंटी देने को कहा

**सूरत ।** सूरत डायमंड बुअस (एसडीबी) को एक अदालत ने कथित रूप से 631.32 करोड़ रुपये का बकाया भुगतान नहीं करने पर एक निर्माण फर्म को 100 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी देने को कहा है। एसडीबी के खिलाफ पीएसपी प्रोजेक्ट्स ने अदालत में अपील की थी, जिसने सूरत शहर के पास एसडीबी भवन का निर्माण किया था। इसे दुनिया की सबसे बड़ी कार्यालय इमारत के रूप में जाना जाता है। सूरत के विशेष वाणिज्यिक न्यायाधीश ने छह दिसंबर के आदेश में एसडीबी को सात कार्य दिवसों में 100 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी देने का निर्देश दिया है। कंपनी ने अदालत के सामने आरोप लगाया कि एक साल पहले निर्माण पूरा करने और एसडीबी को इमारत का कब्जा सौंपने के बाद भी उसके प्रबंधन ने 538.59 करोड़ रुपये का अंतिम भुगतान नहीं किया।

# एयरलाइन कंपनियों ने क्रिसमस और नए साल पर हवाई किराया घटाया

### - 24 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच हवाई किराया पिछले साल की तुलना में 28 फीसदी कम

**नई दिल्ली ।** दिल्ली-मुंबई, मुंबई-बेंगलूरु और मुंबई-चेन्नई जैसे प्रमुख घरेलू मार्गों पर 24 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच हवाई किराये में पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 28 फीसदी तक नरमी दिख रही है। विमानन उद्योग के अधिकारियों के अनुसार हवाई किराये में यह बदलाव दीवाली से पहले हुई गलती का पे रिणाम है। इस साल त्योहारों से एक या दो महीने पहले इन कंपनियों ने किराया ज्यादा ही रखा था ताकि उन्हें प्रति यात्री प्रति किलोमीटर औसत आय बरकरार रखने में मदद मिल सके। मगर उनकी यह रणनीति कारगर साबित नहीं हुई क्योंकि तारीख नजदीक आने के साथ ही यानी विमान में यात्रियों की संख्या घटने लगी। ऐसे में अधिक से अधिक टिकट बुक कराने और खाली सीटें भरने के लिए दीवाली के आसपास उन्हें तुरंत बुकिंग पर किराया कम करना पड़ा। उस गलती से सीख लेकर विमानन कंपनियां सुधरने की कोशिश कर रही हैं। विस्तारा ने इस साल 11 दिसंबर से अगले साल 30 सितंबर के बीच देश के भीतर सफर के लिए तीन दिन की सेल शुरू कर दी। पिछले दो महीनों में विमान ईंधन (एटीएफ) भी सस्ता हुआ है। इससे विमानन कंपनियों को क्रिसमस वाले हफ्ते में किराया कम रखने में मदद मिली है। 1 अक्टूबर को विमान ईंधन की कीमत दिल्ली में 1.18 लाख रुपये प्रति किलोलीटर थी, जो 1 दिसंबर तक घटकर 1.06 लाख रुपये प्रति किलोलीटर रह गई। दिल्ली-मुंबई मार्ग भारत का सबसे व्यस्त हवाई मार्ग है, जिस पर हर हफ्ते करीब 730 उड़ानें आती-जाती हैं। यात्रा पोर्टल इग्जिगो से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मार्ग पर 24 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच सफर के लिए यात्रा से एक महीने पहले टिकट बुक कराने पर औसत हवाई किराया साल भर पहले के मुकाबले करीब 2 फीसदी कम था। मुंबई-बेंगलूरु मार्ग भी भारत के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल है। इग्जिगो के अनुसार इस मार्ग पर 24 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच का टिकट महीने भर पहले बुक कराने पर केवल 4,662 रुपये में मिल रहा था, जो पिछले साल की टिकट कीमत से करीब 24 फीसदी कम है। इस साल दीवाली 12 नवंबर को थी और क्रिसमस हर साल 25 दिसंबर को मनाया जाता है।

## भारतीय स्टार्टअप को 2023 में फंडिंग में 72 फीसदी गिरावट

**नई दिल्ली ।**

एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय टेक स्टार्टअप 2023 में फंडिंग 72 फीसदी की गिरावट के साथ पांच साल के निचले स्तर पर पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्टार्टअप्स को केवल 7 बिलियन डॉलर ही हासिल हुए, जो पिछले साल के 25 बिलियन डॉलर से काफी कम है। रिपोर्ट में सभी स्टार्टअप स्टेज में फंडिंग में गिरावट देखी गई। लेट-स्टेज फंडिंग में 73 फीसदी से अधिक की गिरावट आई, शुरुआती स्टेज की फंडिंग में 70 फीसदी की गिरावट आई और सीड-स्टेज फंडिंग में 60 फीसदी की गिरावट आई। नतीजतन भारत 2023 में सबसे ज्यादा फंडेड क्षेत्रों की वैश्विक रैंकिंग में 5वें स्थान पर फिसल गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछली तिमाही में अब तक की सबसे कम फंडिंग थी। यह 2016 की तीसरी तिमाही के बाद से सबसे कम फंडिंग वाली तिमाही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि फंडिंग में गिरावट मुख्य रूप से लेट-स्टेज फंडिंग में महत्वपूर्ण गिरावट के कारण हुई है, जो 2022 में 15.6 बिलियन डॉलर से 73 फीसदी से अधिक घटकर 2023 में 4.2 बिलियन डॉलर हो गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि रिकॉर्ड किए गए 100 मिलियन से ज्यादा राउंड की संख्या केवल 17 रही, जो पिछले साल की तुलना में 69 प्रतिशत कम है। स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच और कैशलेस अर्थव्यवस्था की दिशा में सरकार की पहल से प्रेरित फिनटेक को 2023 में अब तक 2.1 बिलियन डॉलर की फंडिंग मिली है, जो पिछले साल की समान अवधि से 5.8 बिलियन डॉलर कम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि लीडिंग पेमेंट कंपनी फोन पे ने कुल 750 मिलियन डॉलर हासिल करके इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा फंडिंग उठाने वाली फर्म के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है।

यह राशि सेक्टर को प्राप्त कुल फंडिंग का 38 फीसदी है। अन्य कुछ कंपनियों जैसे पर्फियोस, इंश्योरेंसदेखो और क्रेडिटबी ने भी फोनपे के बाद ठीक-ठाक फंडिंग हासिल की।

# कोका कोला अहमदाबाद में लगाएगी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट

### - साणंद में प्लांट स्थापित करने 3000 करोड़ का निवेश करेगी

**नई दिल्ली ।**

अमेरिकी बेवरेज मैन्युफैक्चरर, कोका-कोला कंपनी (टीसीसीसी) अहमदाबाद से 32 किमी दूर साणंद में एक बेवरेज और कंसन्ट्रेट प्लांट स्थापित करने के लिए 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए तैयार है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। कोका-कोला अपनी एक सहायक कंपनी इंटरनेशनल रिफ्रेशमेंट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात सरकार में अपने सूत्रों के हवाले से कहा कि भूमि का एक टुकड़ा (एसएम-52) जिसका आकार 1,60,000 वर्ग मीटर है, कंपनी द्वारा साणंद औद्योगिक एस्टेट-2 में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने के लिए अधिग्रहित किया गया है। रिपोर्ट में राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा गया है कि कोका-कोला ने पहले ही गुजरात में अपने बॉटलिंग पार्टनर्स के माध्यम से दो बड़े निवेश किए हैं। सरकार ने मंजूरी की प्रक्रिया को तेज कर दिया है और पहले ही कंपनी को भूमि आवंटन कर दिया है। कोका-कोला कंपनी के पास साणंद के अलावा अपने बॉटलिंग पार्टनर हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज लिमिटेड के माध्यम से गोबलेज में पहले से ही एक प्लांट है, जो अहमदाबाद से लगभग 33 किमी दूर है। टीओसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों प्लांट कुल 18 करोड़ डॉलर के निवेश पर स्थापित किए गए थे।

अखबार ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि साणंद में स्थापित होने वाला प्लांट रोबोटिक टेक्नॉलजी के माध्यम से पूरी तरह से ऑटोमेटिक होगा। प्लांट में आधुनिक उपकरणों का उपयोग किया जाएगा, जो इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करेगी। अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि साणंद में स्थापित होने वाला आगामी प्लांट रोबोटिक तकनीक से पूरी तरह ऑटोमेटिक होगा। प्लांट में ऐसे उपकरणों का उपयोग किया जाएगा जो इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) और मशीन लर्निंग जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठाते हैं। इससे मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस की रियल टाइम पर निगरानी और नियंत्रण हो सकेगा।

# गन्ने पर प्रतिबंध से एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य प्रभावित नहीं होगा

**नई दिल्ली ।**

अधिकारियों का कहना है कि एथनॉल बनाने में गन्ने के रस पर प्रतिबंध लगाने से इसके मिश्रण का लक्ष्य प्रभावित नहीं होगा। एथनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2025-26 में सरकार का एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य 20 फीसदी है। सरकार ने हाल ही में सभी चीनी मिलों को इस साल एथनॉल बनाने के लिए गन्ने का रस या शीरे का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया था। अक्टूबर में चीनी सत्र 2023-24 शुरू हुआ जबकि एथनॉल आपूर्ति वर्ष नवंबर में आरंभ हुआ था। हालांकि बी हेवी और सी हेवी शीरे से एथनॉल बनाने की इजाजत दे दी गई है।

खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि चीनी मिलों को सी हेवी शीरे से उत्पादन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। हालांकि बी-हेवी शीरे के लिए हालिया आदेश जारी रहेगा। चोपड़ा ने कहा था कि बीते एक डेढ़ महीने में

चीनी का उत्पादन गिर गया है। यह वर्ष 2023-24 सत्र में और नीचे आने की उम्मीद है। उन्होंने स्थिति पर नजर रखने के लिए मासिक समीक्षा प्रणाली बनाने की जरूरत पर बदल दिया।

## संजय बांगड़ बने पंजाब किंग्स के क्रिकेट विकास प्रमुख

**नई दिल्ली ।** पूर्व भारतीय ऑलराउंडर संजय बांगड़ को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) में क्रिकेट विकास का प्रमुख नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति बांगड़ की पीबीकेएस में वापसी का प्रतीक है, जो 2015 और 2016 में मुख्य कोच की भूमिका संभालने से पहले 2014 में फ्रेंचाइजी के सहायक कोच थे। पीबीकेएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा` कि हमें पंजाब किंग्स में क्रिकेट विकास के नए प्रमुख के रूप में हमारे शेर, संजय बांगड़ की वापसी की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। बांगड़ हमारे संगठन में अनुभव और विशेषज्ञता का खजाना लेकर आते हैं, और हमें विश्वास है कि उनके नेतृत्व में हमारे क्रिकेट विकास कार्यक्रम आगे बढ़ेगा और नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। 2014 में बांगड़ के नेतृत्व में पीबीकेएस उपविजेता रही, जो अब तक उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। हालाँकि, वे उस सीज़न के बाद से प्लेऑफ़ तक पहुँचने में कामयाब नहीं हुए हैं। पीबीकेएस के साथ अपने पिछले कार्यकाल के बाद, बांगड़ ने भारतीय टीम के लिए बल्लेबाजी कोच के रूप में काम किया और 2019 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल तक उनकी यात्रा में योगदान दिया। बाद में उन्होंने अगले दो वर्षों के लिए उनके मुख्य कोच के रूप में नियुक्त होने से पूर्व आईपीएल 2021 से पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए बल्लेबाजी सलाहकार की भूमिका भी निभाई।

# टी20 वर्ल्ड कप में सूर्यकुमार यादव कर सकते हैं टीम इंडिया की अगुआई

**नई दिल्ली ।**

भारतीय क्रिकेट टीम के जांबाज प्लेयर सूर्यकुमार यादव टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया की अगुआई कर सकते हैं। बता दें कि सूर्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया को उनकी ही पिच पर 5 मैचों की टी20 सीरीज में 4-1 से हराया था। अब वह साउथ अफ्रीका में टीम को लेकर पहुंच चुके हैं जहां भारतीय टीम मेजबानों के साथ 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। सूर्या ने अपने घर में जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया में कप्तानी की है उससे बीसीसीआई को इस फॉर्मेट में कप्तान बनने का एक नया विकल्प मिल गया है। हालांकि सूर्या के लिए कप्तानी करना कोई नई बात नहीं है क्योंकि वह पहले भी टीम की अगुआई कर चुके हैं। सूर्या पिछले कुछ वर्षों में लगातार आगे बढ़े हैं। अब जबे कि 33 साल के सूर्यकुमार यादव को 6 महीने बाद टी20 विश्व कप में टीम इंडिया की कमान सौंपी जा सकती है। वैसे टी20 में पिछले कुछ समय से टीम इंडिया की कप्तानी हार्दिक पंड्या कर रहे हैं लेकिन भारत का यह ऑलराउंडर इस समय चोटिल है। उनकी चोट कब तक ठीक होगी, इसपर कुछ नहीं कहा जा सकता।

सत्रों की मानें तो बीसीसीआई विश्व कप में रोहित को कमान देने की फिराक में है। लेकिन रोहित 2022 टी20 वर्ल्ड कप के बाद से इस फॉर्मेट से दूर हैं। ऐसे में शायद ही वह टी20 में कप्तानी के लिए दोबारा हामी भरें। इससे संकेत मिल रहे हैं कि बीसीसीआई के पास सूर्या ही एक विकल्प बचेंगे। भारतीय बोर्ड लगातार दूसरी टी20 सीरीज में सूर्या को मौका देकर शायद उन्हें विश्व कप के लिए तैयार कर रही है। सूर्या का टी20 में बतौर बल्लेबाज रिकॉर्ड शानदार रहा है। वह बतौर कप्तान भी अपने इंटरनेशनल डेब्यू सीरीज में सफल हुए हैं। उन्होंने इससे पहले साल 2013 में एसीसी अंडर-23 इमर्जिंग टीम का कप्तान बनाया गया था, रणजी ट्रॉफी में भी मुंबई की कप्तानी की है। साल 2015 में सूर्या ने मुंबई की कप्तानी छोड़ दी थी। सूर्या बतौर कप्तान काफी अनुभवी हैं, यदि वह साउथ अफ्रीका में टीम को टी20 सीरीज जिताने में सफल हो जाते हैं तो फिर बीसीसीआई पंड्या की गैर मौजूदगी में सूर्या को कप्तानी देगी।

## कोहली ने दो बार कोशिश की, लेकिन नहीं तोड़ पाए सचिन का 25 साल पुराना रिकॉर्ड

**नई दिल्ली ।**

विराट कोहली ने दो बार उस ऊंचाई पर पहुंचने की को शिश की जहां पर 25 साल पहले सचिन तेंदुलकर पहुंच चुके हैं। सचिन तेंदुलकर ने 1998 में कुछ ऐसा कमाल किया था, जिसे दोहरा पाना किसी भी क्रिकेटर का ख्वाब हो सकता है। यह कमाल था एक कैलेंडर ईयर में 12 शतक लगाने का। यह उस वक्त एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक शतक का रिकॉर्ड था, जो आज 25 साल बाद भी कायम है। विराट कोहली से लेकर रिकी पोंटिंग तक कई क्रिकेटर इस रिकॉर्ड के करीब तो पहुंचे, लेकिन उसे छू नहीं सके। हालों कि ऐसे अनेक बैटर हैं, जो एक कैलेंडर ईयर में 10 या इससे अधिक शतक लगा चुके हैं। जैसा कि सबको पता है कि एक कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक शतक सचिन तेंदुलकर के नाम है। सचिन ने 1998 में 12 शतक लगाकर अरविंद डिसिल्वा का रिकॉर्ड तोड़ा था, जिन्होंने एक साल पहले ही 10 शतक लगाए थे। सचिन ने 1998 में 39 इंटरनेशनल मैच में 68।67 की औसत से 2541 रन बनाए थे।

एक बात और है` कि विराट कोहली और रिकी पोंटिंग वो बैटर हैं, जो सचिन का कैलेंडर ईयर में सबसे अधिक शतक का रिकॉर्ड तोड़ने के बेहद करीब पहुंचे। विराट कोहली ने लगातार दो साल 2017 और 2018 में 11-11 शतक लगाए। रिकी पोंटिंग ने 2003 में 11 शतक लगाए थे। रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ समेत 5 बैटर हैं, जिन्होंने एक कैलेंडर ईयर में 10-10 शतक लगाए हैं। रोहित शर्मा ने 2019 और राहुल द्रविड़ ने 1999 में यह प्रदर्शन किया था। अरविंद डिसिल्वा, हाशिम अमला और तिलकरत्ने दिलशान भी एक-एक कैलेंडर ईयर में 10-10 शतक लगा चुके हैं। जबे कि 4 बैटर ऐसे भी हैं जिन्होंने एक कैलेंडर ईयर में 9-9 शतक लगाए हैं।

## टी20 विश्व कप के लिए रोडमैप तैयार

### -बोर्ड मध्यक्रम में वैकल्पिक विकल्प पर कर रहा विचार

**नई दिल्ली ।**

बीते दिनों कप्तान रोहित शर्मा, राहुल द्रविड़, चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर और अन्य बोर्ड अधिकारियों के बीच बैठक में वेस्ट इंडीज और यूएसए में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए रोडमैप तैयार किया गया है। इसमें कई बड़े खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट की मानें तो ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला से चूकने के बावजूद रोहित और जसप्रीत बुमराह का टूर्नामेंट के लिए टीम में होना तय है, लेकिन कोहली चूक सकते हैं। टी20ई और आईपीएल में अच्छा रिकॉर्ड होने के बावजूद, बोर्ड शायद मध्यक्रम में एक वैकल्पिक विकल्प पर विचार कर रहा है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने नाम न छापने की सूरत में बताया कि विराट कोहली की जगह इशान किशन को मध्य क्रम में चुना जा सकता है क्योंकि वे एक ऐसे खिलाड़ी की तलाश में हैं जो शुरू से ही आक्रमण कर सके। अधिकारी ने यह भी कहा कि कोहली के लिए आईपीएल 2024 के प्रदर्शन पर भी विचार किया जाएगा। अधिकारी ने यह भी कहा कि कोई भी फैसला लेने से पहले कोहली से उनके भविष्य के बारे में सलाह ली जाएगी। कोहली का बेहतरीन रिकॉर्ड रहा है। अगर वह आगे बढ़ना चाहते हैं तो उनके फैसले का सम्मान किया जाएगा। लेकिन भविष्य की योजनाओं के तहत अभी से प्लानिंग जरूरी है ऐसे में विराट का बैकअप तैयार किया जा रहा है। बता दें कि क्रिकेट विश्व कप 2023 के नाकाम सफर के बाद क्रिकेट प्रशंसक इस बात को लेकर उत्सुक हैं कि भारतीय टीम के सितारा बल्लेबाज विराट कोहली अब आगामी टी20 विश्व कप 2024 में अपने देश को खिताब दिला सकते हैं। वहीं, टी20 क्रिकेट से विराट कोहली की दूरी अभी भी सवाल खड़े कर रही है।

# विश्व कप के बाद विदेश में भारतीय टीम साउथ अफ्रीका से लेगी टक्कर

**नई दिल्ली ।**

भारतीय क्रिकेट टीम अपने विदेश दौरे पर साउथ अफ्रीका से टक्कर लेने वाली है। हालों कि टीम ने अपने घर पर खेले गए आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप में शानदार खेल दिखाया लेकिन खिताब जीतने से चूक गई। लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में जगह बनाने वाली टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया ने हराकर छठी बार वर्ल्ड कप अपने नाम किया था। अब भारतीय टीम इस हार को भुलाकर पहले विदेशी दौरे के लिए तैयार है। टीम इंडिया की टक्कर एक बेहद खतरनाक टीम से हो रही है। इस दौरे पर कुल 8 मैच खेले जाने हैं। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में मिली हार को पीछे छोड़कर टीम इंडिया अपने अगले मिशन पर निकल चुकी है। घर पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही टी20 सीरीज में 4-1 से दमदार जीत हासिल की और अब विदेशी दौरे पर धाक जमाने का इरादा रखती है। टीम इंडिया विश्व कप के बाद पहली बार घर से बाहर खेलने उतरेगी। मुकाबला साउथ अफ्रीका की टीम के साथ होने जा रहा है।

भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ 3 टी20 की सीरीज के साथ दौरे का आगाज करेगी। इसके बाद इतने ही मुकाबलों की वनडे सीरीज में खेलने उतरेगी और फिर दो टेस्ट मैच में दोनों टीमों के बीच आमना सामना होगा।

टेस्ट सीरीज से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे धुरंधर एक बार फिर से मैदान पर वापसी करेंगे। साउथ अफ्रीका दौरे पर भारतीय टीम अपना पहला टी20 मुकाबला 10 दिसंबर रविवार को खेलने उतरेगी। टीम इंडिया 12 तारीख को दूसरा टी20 मैच टीम खेलेगी जबकि सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 14 दिसंबर को खेला जाएगा।

## संक्षिप्त समाचार

### एजाज पटेल ने बांग्लादेश का प्लान किया चौपट, 6 विकेट झटके

**नई दिल्ली ।** एजाज पटेल ने बांग्लादेश की टीम के 6 विकेट लेकर पूरा प्लान चौपट कर दिया है। बता दें कि बांग्लादेश ने स्पिन पिच पर दांव लगाकर न्यूजीलैंड से पहला टेस्ट भले ही जीत लिया, लेकिन दूसरे टेस्ट में वह अपनी ही जाल में फंस रहा है। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को पहली पारी में महज 172 और दूसरी पारी में 144 रन पर ऑलआउट कर दिया। बांग्लादेश को दूसरी पारी में सस्ते में समेटने का श्रेय उस गेंदबाज को जाता है, जो कभी भारत के खिलाफ एक पारी में 10 विकेट भी ले चुका है। एजाज पटेल जो कि बाएं हाथ के स्पिनर हैं, ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में 6 विकेट झटक लिए। हालांकि न्यूजीलैंड को जीत के लिए 137 रन का लक्ष्य मिला है। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टेस्ट मीरपुर में खेला जा रहा है। बांग्लादेश की पहली पारी 172 रन पर सिमट गई थी। इसके जवाब में न्यूजीलैंड 180 रन ही बना सका। स्पिनरों के लिए सहूलियत देने वाली पिच पर बांग्लादेश दूसरी पारी में भी सस्ते में बहुत जल्दी हार गया। मैच में एजाज पटेल और मिचेल सैंटनर ने मिलकर बांग्लादेश की दूसरी पारी 144 रन पर समेट दी। बांग्लादेश के लिए दूसरी पारी में जाकिर हसन ने 59 रन बनाए। लेकिन टीम का दूसरा बल्लेबाज 20 रन भी नहीं बना सका। बांग्लादेश की दूसरी पारी में एजाज पटेल ने 6 और मिचेल सैंटनर ने 3 विकेट लिए हैं। गौरतलब है कि एजाज पटेल कभी भारत के खिलाफ एक पारी में 10 विकेट ले चुके हैं, जो एक पारी में 10 विकेट लेने के अनिल कुंबले के रिकॉर्ड की बराबरी कर चुके हैं, उन्हें स्पिन ट्रैक देना मेजबान बांग्लादेश पर भारी पड़ गया।

### जानसन के कटाक्ष पर डेविड वार्नर ने कहा, हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार

**नई दिल्ली ।** ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले अपने पूर्व साथी मिचेल जॉनसन के कॉलम पर खुलकर बात की। जॉनसन ने अपने कॉलम में लिखा, जब हम डेविड वॉर्नर की विदाई सीरीज की तैयारी कर रहे हैं, तब क्या कोई मुझे बता सकता है कि क्यों? संघर्ष कर रहे टेस्ट सलामी बल्लेबाज को संन्यास की तारीख खुद तय करने का मौका क्यों मिला है? और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े स्कैंडल में से एक रहे खिलाड़ी को हीरो जैसी विदाई क्यों मिल रही है और उन्हें क्यों चाहिए? जैसा कि ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने घोषणा की कि टेस्ट टीम बाहरी हमलों की स्थिति में अनुभवी सलामी बल्लेबाज की कड़ी सुरक्षा करेगी, वार्नर ने आग में घी डालने से परहेज किया। वार्नर ने कहा, हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है। इन चीजों से आगे बढ़ते हुए, हम पश्चिम में एक अच्छे टेस्ट की उम्मीद कर रहे हैं। वार्नर ने कहा कि उन्होंने जॉनसन जैसी आलोचना के सामने हार न मानना बहुत पहले ही सीख लिया था। वॉर्नर ने कहा, मेरे माता-पिता ने मेरे अंदर यह बात डाली। उन्होंने मुझे हर दिन लड़ना और कड़ी मेहनत करना सिखाया। मुझे लगता है कि आज जो आप यहां देख रहे हैं वह अधिक महत्वपूर्ण है, लोग क्रिकेट का समर्थन करने के लिए आगे आ रहे हैं।

# प्रीमियम विंडीज़ के गेल, तो श्रीसंत बने प्रीमियम इंडियंस के कप्तान

**ह्यूस्टन ।**

आगामी 19 से 31 दिसंबर तक यहां मूसा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने वाले अमेरिकन प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सीजन के लिए क्रिस गेल को प्रीमियम विंडीज टीम का कप्तान घोषित किया गया है। वहीं टूर्नामेंट में खेलने वाली छह अन्य टीमों में से, भारत के पूर्व तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत प्रीमियम इंडियंस के कप्तान होंगे। इसी तरह सोहेल तनवीर प्रीमियम पाक्स की कप्तानी करेंगे, अफगानिस्तान टीम के वर्तमान कप्तान मोहम्मद नबी प्रीमियम अफगानों का मार्गदर्शन करेंगे। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर बेन कटिंग प्रीमियम ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी संभालेंगे। अपनी जवाबदारी पर गेल ने कहा` कि मैं एक बार फिर विंडीज टीम का कप्तानी बैंड पहनने के लिए उत्साहित हूं।

अमेरिका में खेलना घरेलू मैदान पर खेलने जैसा है। एक खेल के रूप में क्रिकेट को एक दिन अमेरिका में जगह बनानी ही थी और इस तरह की लीग आयोजित करने का यह सबसे अच्छा समय है। इंग्लैंड के उभरते सितारे डैन लॉरेंस, जिन्होंने 2021 की शुरुआत में श्रीलंका में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था, को

प्रीमियम अमेरिकियों के लिए कप्तान के रूप में नामित किया गया है। जानकारी के अनुसार पंजाब में जन्मे कनाडाई नवनीत धालीवाल, जो हाल ही में विश्व टी20 क्वालीफायर में कनाडा का नेतृत्व करने और टी20 विश्व कप 2024 में अपना पक्ष रखने के बाद सुर्खियों में आए, अपने पड़ोसी देश में प्रीमियम कैनेडियन की कप्तानी करेंगे। गेल कुछ महीने पहले लीग मालिकों और फवाद आलम (पाकिस्तान) और रवि बोपारा (इंग्लैंड) जैसे अन्य अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ न्यूयॉर्क में एपीएल लॉन्च करने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से एक थे।

## 2023 की टॉप-4 लिस्ट में 3 भारतीय शामिल, शानदार रहा ओव्हरऑल प्रदर्शन

**नई दिल्ली ।**

इस साल के कामयाब बैटर्स की लिस्ट में तीन भारतीय खिलाडियों के नाम शा मिल हैं। गौरतलब है कि भारतीय क्रिकेट टीम साल 2023 में दो बार विश्व चैंपियन बनने के करीब पहुंची। पहले डब्ल्यूटीसी फाइनल और फिर वनडे वर्ल्ड कप फाइनल। हालांकि, भारत इन दोनों खिताबी मुकाबलों में हार गया, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि भारतीय क्रिकेटर्स ने इस साल ओवरऑल शानदार प्रदर्शन किया। साल के कामयाब बैटर्स की लिस्ट देखकर यह साबित भी हो जाता है, जिसमें टॉप-4 बैटर्स में 3 भारतीय हैं। इस साल ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहला नाम शुभमन गिल का है। उन्होंने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर कुल 45 मैच खेले और इनमें 2118 रन बनाए। इसमें 7 शतक शामिल हैं। शुभमन गिल 2023 में अब तक एकमात्र ऐसे बैटर हैं, जिसने 2 हजार रन का आंकड़ा पार किया है। जब कि ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरा नाम डेरिल मिचेल का हैं, जिन्होंने 48 मैच में 1937 रन बनाए हैं। लेकिन मिचेल भारतीय दिग्गज विराट कोहली से महज 3 रन ही आगे हैं। इस साल विराट कोहली ने 34 मैच में 8 शतकों की मदद से 1934 रन बनाए है। उनका औसत 66.68 रहा, जो शुभमन गिल और डेरिल मिचेल से कहीं ज्यादा है। कामयाब बैटर्स की इस लिस्ट में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चौथे नंबर पर हैं। उन्होंने भी इस साल विराट के ही बराबर 34 मैच खेले हैं। रोहित ने इन मैचों में 51.28 की औसत से 1795 रन बनाए हैं। लिस्ट में पांचवां नाम कुसल मेंडिस का है। श्रीलंका के कुसल मेंडिस ने इस साल 43 मैच में 1690 रन बनाए हैं। अगर ये पांचों बैटर इस साल के बाकी बचे मैचों में अपनी छवि के मुताबिक ही प्रदर्शन करते हैं तो शुभमन गिल को नंबर-1 पोजीशन से हटा पाना मुश्किल होगा।

## ब्रायन लारा को लगाता हैं, हफीज कोहली से ईर्ष्या करते हैं

**नई दिल्ली ।** भारत आईसीसी विश्व कप 2023 में उपविजेता रहा लेकिन निजी तौर पर विराट कोहली के लिए विश्वकप अद्भुत रहा। विराट ने टूर्नामेंट में 11 पारियों में 765 रन बनाए। इसकारण कोहली प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बने। विश्व कप के दौरान उन्होंने तीन शतक भी जड़े। विराट ने इस दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 49 एकदिवसीय शतकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब वह वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों ने विराट के फॉर्म की सराहना की थी लेकिन कुछेक ने उनकी निंदा भी की थी। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज इनमें से एक थे। हफीज ने विराट से जान बूझकर मैच में धीमा खेलने का आरोप लगाया था। हफीज का कहना था कि विराट सिर्फ शतक पूरा करना चाहते थे इसलिए कोई रिस्क न हो इसकारण वह धीमा खेल रहे थे। जिससे टीम के स्कोर भी प्रभावित हुए। इस बीच वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा ने कोहली के आलोचकों पर पलटवार किया है। उन्होंने आईसीसी विश्व कप 2023 के दौरान विराट की शैली का बचाव किया। लारा ने कहा कि जो लोग कोहली को स्वार्थी कहते थे, वे उनसे ईर्ष्या करते हैं।

# भारत अवसरों का देश, यहां जन्म लेना सौभाग्य की बात : हरभजन सिंह

**सूरत ।**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा कि भारत अवसरों का देश हैं, यहां पर जन्म लेना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भारत में क्रिकेटर इतने भाग्यशाली हैं कि उन्हें देश में कई अवसर मिलते हैं। अन्य देशों के खिलाड़ियों के पास रेगुलर जॉब नहीं हैं, उनके लिए लीजेंड्स लीग क्रिकेट जैसा एक मंच है जहां उन्हें अपनी आजीविका कमाने का एक अवसर मिलता है। यहां गौरतलब है कि हरभजन सिंह (मणिपाल टाइगर्स) और सुरेश रैना (अर्बनराइजर्स हैदराबाद) शनिवार को सूरत में एलएलसी 2023 के फाइनल में एक-दूसरे से भिड़ेंगे। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए हरभजन ने क्रिकेट खेलने और संन्यास के बाद के बारे में विस्तार से बात की। हरभजन ने कहा कि खेलना हमेशा से मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है। जब मैंने संन्यास लिया, तो मैंने सोचा कि मैं काफी खेल चुका हूं और अब युवाओं को मौका देने का समय आ गया है। और जब संन्यास के बाद ऐसा मौका मिलता है, तो यह बहुत शानदार है। स्पिनर ने बताया, कि कोई भी हमें आंकता नहीं है लेकिन हां हमसे अपेक्षाएं समान हैं। हम भाग्यशाली हैं कि हम भारत में पैदा हुए हैं, जहां हमारे पास बहुत सारे अवसर हैं। उन्होंने यह भी कहा` कि ऐसे खिलाड़ी जिनके पास नौकरी नहीं है जैसे कि न्यूजीलैंड और वेस्ट इंडीज के कुछ खिलाड़ी, लीजेंड्स लीग क्रिकेट उनके लिए बड़ी बात है।

हरभजन ने मणिपाल टाइगर्स के एक खिलाड़ी के बारे में एक छोटा सा किस्सा साझा करते हुए कहा कि कैसे कुछ खिलाड़ियों को क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद काफी संघर्ष करना पड़ता है। हरभजन ने कहा` कि एक अच्छी बात जो हुई है वह यह है कि जिन खिलाड़ियों का करियर जल्दी खत्म हो जाता है और उन्हें अधिक खेलने का मौका नहीं मिलता है, उन्हें अब अपने करियर को आगे बढ़ाने का मौका मिल रहा है। हमारी टीम में न्यूजीलैंड से ऐसा ही एक खिलाड़ी है, जिसका काम गोल्फ क्लब में घास काटना है।

इसी तरह की भावना व्यक्त दिग्गज खिलाड़ी सुरेश रैना ने भी कहा` कि हर किसी को आईपीएल या भारतीय टीम में खेलने का मौका नहीं मिलता है। इसलिए यह एक ऐसा मंच है जहां खिलाड़ी अपने कौशल को अपने प्रशंसकों के सामने प्रदर्शित कर सकते हैं। दोनों कप्तानों ने इस बारे में बात की कि लीजेंड्स लीग क्रिकेट के पहले सीज़न का हिस्सा बनना और फाइनल में पहुंचना टीम के लिए क्या मायने रखता है। बता दें कि फाइनल शनिवार को सूरत के लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेडियम में मणिपाल टाइगर्स और अर्बनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। इनमें हरभजन सिंह, सुरेश रैना, मार्टिन गुप्टिल, एमडी कैफ, प्रवीण कुमार सहित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के कुछ सबसे बड़े नाम शामिल होंगे।

# बचपन





## यां कान छू
## या तो हो
## या एडमिशन

ब|हुत साल पहले की बात है। उस समय में जन्मदिन तिथियों के तौर पर याद रखे जाते थे। तिथियां बदलती थीं तो बच्चे की ठीक-ठीक आयु बता पाना मुश्किल होता था। अब स्कूल कब भेजें, किस उम्र में, यह ठा, तो हमारे ज्ञानी गुरूजनों ने इसका एक तरीका निकाला। स्कूल में दाखिले के समय कहा जाता कि अपने दाएं हाथ को सिर के ऊपर से ले जाते हुए बायां कान छुओ। चा ऐसा कर पाता तो उसे दाखिला मिल जाता। यह मामूली टेस्ट नहीं है। समझदारी का सरल परीक्षण है।

की समझ और उसके शरीर व मस्तिष्क की परिपक्वता को देखते हुए ही उसका किसी दाखिला कराया जाता था। समझ को देखते हुए विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग होती हैं। केजी 1, केजी 2, फिर पहली कक्षा और इसी तरह दूसरी, तीसरी और आगे न कक्षाएं।

सल, कक्षाओं पर आधारित शिक्षा का मकसद होता है कि विद्यार्थी जो भी ो एक सिलसिलेवार तरीके से सीखें। अलग-अलग कक्षा के होने से हमें अनुरूप या फिर यूं कहें कि समकक्ष संगी-साथी मिलते हैं। सोचो, अगर पहली कक्षा में न बैठाकर सीधे आठवीं या दसवीं कक्षा के विद्यार्थी के साथ ा जाए तो कैसा लगेगा? विभिन्न कक्षाओं के होने से कोई भी बच्चा क्रमश धीरे-धीरे चीजों को सीखता है। ोने से विद्यार्थी की समझने की क्षमता के अनुरूप ही विषय सामग्री बनाई जाती है, ताकि उस विषय सामग्री यानी किताबें, कोर्स आदि उस च्चे को समझने में दिक्कत न करें। कक्षाओं के होने से आपको एक फायदा भी है। आपके पड़ोस में रह रहे राहुल को भी वहीं चीजो ती हैं। भले ही वो आपसे पढ़ने में कितना ही तेजी से क्यों न हो। इस तरह आप अपनी ही आयु के अन्य बच्चों से काफी कुछ सीख भी । अपनी ही आयु के बच्चों के साथ एक क्लास में बैठने से खुद को सहज भी महसूस करते हैं। यानि क्लास रूम वो स्थान है जहां सभी ु के, एक-सा कोर्स पढ़ने वाले और एक सी ही परीक्षा देने वाले, कोई बड़ा-छोटा नहीं, कोई भेदभाव नहीं।



## पेड़ पौधे भी देते हैं सीख

प्र|कृति में पेड़-पौधे, सूरज, हवा, हिमकण और सितारें सब शामिल हैं। ये सभी हमें जीवन देते हैं। इनका वजूद हम सबके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। इस बात से तो आप भी इत्तेफाक रखते ही होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये भी हमें बहुत कुछ सिखाते हैं। बिना कुछ कहे ही ये हमें सब कुछ बताते हैं बस जरूरत है तो उन्हें समझने की।

धरती को हरी-भरी बनाने के साथ हमें ऑक्सीजन की सौगात देते हैं, जिसे हम प्राणवायु कहते हैं।



पेड़-पौधे अपने भोजन की स्वयं ही व्यवस्था करते हैं। मिट्टी से पोषक तत्व और पानी को सोखते हैं और फिर सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर, भोजन बनाते हैं। आप इनसे आत्मनिर्भर बनने की सीख ले सकते हैं।

पेड़ की छांव तेज धूप में आपको शीतलता प्रदान करती है। व फल बहुत मीठे और रसीले होते हैं। पेड़ के फल तो आपके अ लिए ही होते हैं। इस तरह से ये हमें सुरक्षा और परोपकार की हैं।

इनकी सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि ये चाहें कैसे मेढ़े हों, दूसरे पेड़ ही तरह नहीं बनने की कोशिश करते। यानी पर और अपनी काबलियत पर नाज होता है। यानि आप जो भ भी हो, वही रहना चाहिए। आत्मविश्वास से भरपूर बने रहन ये कुछ भी बर्बाद नहीं करते, अपने पोषक तत्वों को धरती से हैं। समय को बिना गंवाए अपने विकास के लिए लगातार लगे पेड़ो से आप ये चार चीजें और भी सीख सकते हैं। ऑक्सीजन जीवन देती हैं परन्तु यदि आपमें आत्मनिर्भता, सुरक्षा जैसे गुण तो आप अपने जीवन को सफल बना सकते हैं।

### पहेलियां

1. मूझमें भार सदा ही रहता
   जगह घेरना मुझको आता
   हर वस्तु से गहरा रिश्ता
   हर जगह मैं पाया जाता।
2. ऊपर से नीचे बहता हूं
   हर बर्तन को अपनाता हूं
   देखो मुझको गिरा न देना
   वरना कठिन हो जाएगा
   भरना।
3. लोहा खींचू ऐसी
   पर रबड़ मुझे हर
   खोई सूई में पा ले
   मेरा खेल निराला

**उत्तर**

1. गैस, 2. द्रव्य, 3. च

## जैरी भाग, टॉम आया, टॉम बच, जैरी आया

**टॉ|म हो या जैरी, दोनों एक-दूसरे के पीछे पड़े रहते हैं। दोनों किसी का कुछ ा नहीं चाहते, बस, छीनना चाहते हैं, तो े का सुकून। यानि बस तंग करना ही है। इनके खेल बड़े मज़ेदार होते हैं। आपको भी पंसद हैं न। तो चलिए, कुछ जानते हैं इनके बारे में**
-

गर्मी के दिन थे। जैरी अपने घर में चादर ओढ़े आराम से सो रहा था। तभी उसके नाक में पनीर की खुशबू ने प्रवेश किया। पनीर उसे बहुत पसंद था, वह पलंग से उछल पड़ा और उस दिशा में चल पड़ा, जहां से खुशबू आ रही थी। अपने घर के छोटे-से दरवाजे से निकलते ही उसे सामने पनीर का एक बड़ा टुकड़ा दिखाई दिया। वह खुशी से उछल पड़ा, हुरर्र्..। उसके मुंह से लार टपकने लगी। जैसे ही उसने टुकड़े की ओर हाथ बढ़ाया, वैसे ही पीछे से टॉम ने उसे पकड़ लिया। जैरी समझ गया था कि टॉम ने ही उसे पनीर का लालच देकर फंसाया है। टॉम ने जैसे ही जैरी को खाने के लिए अपना मुंह खोला, जैरी ने उसके मूंछों के बालों को ज़ोर से खींच दिया। दर्द के कारण जैरी के हाथों से टॉम छूट गया। जैरी भागा और टॉम भी उसके पीछ-पीछे भागा। इस तरह फिर से शुरू हो गया चूहे-बिल्ली का वह खेल, जिसके करोड़ो बच्चे दीवाने हैं।



### टॉम एंड जैरी का जन्म

जोसफ बारबेरा बैंकिंग हमेशा कागज़ों पर आड़ी-तिरछी लकीरें खींचकर लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश किया करते थे। हालांकि, उनका मकसद बैंकिंग के क्षेत्र में काम करने का था लेकिन उनको काटरून बनाने का भी काफी शौक था। उनके काटरून जल्द ही पत्र-पत्रिकाओं में छपने भी लगे। 1930 के दशक के आखिरी में मैट्रो गोल्डवेन मेयर फिल्म स्टूडियो में उनकी मुलाकात हाना से हुई। इसी मुलाकात में दोनों ने एक ऐसा कार्टून सीरियल बनाने का सोचा, जो एक घरेलू बिल्ली और एक चूहे के बीच लगातार चलने वाली दुश्मनी पर केन्द्रित हो। इसी सोच के साथ उन्होंने टॉम एंड जैरी काटरून पात्रों को छोटे पर्दे पर साकार किया।

जोसेफ-हाना की जोड़ी ने 17 साल के सफर में टॉम एंड जैरी सीरीज़ के लिए सात ऑस्कर पुरस्कार हासिल किए और कुल 14 बार इन्हें पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया।



### मज़ेदार है चूहे-बिल्ली की यह खेल

एक शरारती चूहा और एक खुराफाती बिल्ली, अगर एक ही घर में हों, तो दिलचस्प घटनाओं की भरमार हो जाती है। टॉम एंड जैरी के द्वारा एक दूसरे का पीछा करने और आपसी लड़ाई में हास्यास्पद भिड़ंत शामिल है। इसी कारण 70 सालों से लेकर आज तक यह दुनियाभर में न केवल बच्चों द्वारा बल्कि उनके अभिभावकों द्वारा भी पसंद किया जाता है। भारत में इसकी लोकप्रियता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि टॉम एंड जैरी के कार्यम हिंदी के साथ ही अंग्रेजी, तमिल और तेलुगू भाषाओं में भी प्रसारित किए जाते हैं।

आखिर यह भाग-दौड़ क्यों?

प्रत्येक कार्टून फिल्म की कहानी आमतौर पर जैरी को पकड़ने के लिए टॉम के अनगिनत प्रयासों और उसके कारण हुई हाथापाई और दौड़ा-भागी पर आधारित होती है। इनको देखकर यह समझना मुश्किल है कि आखिर ?यों टॉम, जैरी का इतना अधिक पीछा करता है। काटरून को देखकर जो अंदाज़ा लगाया जा सकता है, उसके हिसाब से कुछ कारणों में एक बिल्ली का एक चूहे के साथ बैर, अपने मालिक के आदेश का पालन, टॉम को सौंपे गए कार्यों को जैरी द्वारा बिगाड़ने की कोशिश, जैरी द्वारा टॉम के मालिक का भोजन खा जाना, जिसकी निगरानी का जिम्मा टॉम को सौंपा गया है, दूसरे को चिढ़ाने को खाए जाने से बचाना, दूसरी बिल्ली से प्रतिस्पर्धा आदि शामिल हैं।

### थोड़ी तकरार-थोड़ा प्यार

ऐसा नहीं है कि यह जोड़ी हमेशा लड़ाई ही करती रहती है, कभी-कभी ये दोनों वास्तव में एक-दूसरे के साथ अच्छी तरह व्यवहार करते भी दिखाई देते हैं। 'जैरी एंड द लॉयन' में जब जेरी को एक शरारत सूझती है और वह मरने का नाटक करने लगता है, जिससे कि टॉम यह सोचे कि उसने जैरी को गोली मार दी है। जैरी को लेटा देखकर टॉम प्राथमिक चिकित्सा किट लेकर दौड़ता हुआ आता है। इससे पता चलता है कि टॉम और जैरी में तकरार के बाद भी प्यार छिपा हुआ है। साथ ही दिलचस्प बात यह है कि कई सारे चित्रों में भी टॉम तथा जैरी एक दूसरे पर मुस्कुराते हुए दिखाए गए हैं, जो प्रत्येक काटरून में दूसरे पर प्रदर्शित अत्यधिक झुंझलाहट के बजाय प्यार-तकरार का रिश्ता अंकित करता है।

जैरी की चालाकी और किस्मत की वजह से टॉम शायद ही कभी जैरी को पकड़ने में सफल हो पाएगा, लेकिन इतना तो अवश्य है कि इन दोनों के दौड़-भाग का यह खेल हमेशा लोगों को गुदगुदाता रहेगा।

### टॉम एंड जेरी कौन हैं?

टॉम का असली नाम थॉमस है, जो कि नीली-स्लेटी आंखों वाला ब्रिटिश घरेलू बिल्ला है। जैरी भूरे रंग का छोटा-सा चूहा है। शुरुआती कहानियों में टॉम का नाम जैस्पर और जैरी का जिंक्स था। टॉम को गुस्सा जल्दी आता है, जबकि जैरी अवसरवादी और खुशदिल है। वैसे तो कहा जाता है कि बिल्लियां बड़ी चालाक होती हैं, लेकिन टॉम और जैरी की कहानी में टॉम की हर फुर्ती को जैरी का दिमाग बड़ी आसानी से हरा देता है। हालांकि, हर कहानी में जीत जैरी की होती है लेकिन कहीं अगर जैरी अपनी सीमाएं तोड़ देता है, या कहीं किसी बुराई का साथ दे बैठता है, तो टॉम की विजय भी होती दिखाई देती है।

मनोविज्ञानी कहीं-कहीं इस चूहे-बिल्ली की कहानी को महज़ शरारत नहीं मानते। यह दूसरे को नुकसान पहुंचाने की कहानी भी बन जाती है। उनका कहना है कि बच्चों को सिर्फ शो का मज़ा लेना चाहिए। किसी भी तरह से ऐसे खेलों को अपने दोस्तों या बच्चों के साथ नहीं खेलना चाहिए। टॉम एंड जैरी



## जाने डॉल्फिन के बारे में

**डॉल्फिन** को हम अक्सर मछली कहते है परन्तु वास्तव में एक मछली नहीं है। वह तो एक स्तनधारी प्राणी है। जिस तरह स्तनधारी प्राणी है वैसे ही डॉल्फिन भी इसी कैटेगरी में आती है। छोटी व्हेल की ही तरह है। डॉल्फिन का रहने का ठिकाना समुद्र और नदियां हैं।

डॉल्फिन को अकेले रहना पसंद नहीं है यह सामान्यतः समूह पसंद करती है। इनके एक समूह में 10 से 12 सदस्य होते भारत में डॉल्फिन गंगा नदी में पाई जाती है लेकिन गंगा नदी डॉल्फिन अब विलुप्ति की कगार पर है। डॉल्फिन की एक बड़ी यह है कि यह कंपन वाली आवाज निकाल्ती है जो किसी भी टकराकर वापस डॉल्फिन के पास आ जाती है।

इससे डॉल्फिन को पता चल जाता है कि शिकार कितना कितने करीब है। डॉल्फिन आवाज और सीटियों के द्वारा एक बात करती हैं। यह 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तैर स डॉल्फिन 10-15 मिनट तक पानी के अंदर रह सकती है ले पानी के अंदर सांस नहीं ले सकती। उसे सांस लेने के लिए सतह पर आना पड़ता है।

## ने बनाई 2.5 किमी गहरी अंडरग्राउंड शाला, कई रहस्य उजागर करने का दावा

ीन अपनी हरकतों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। वो कब क्या ोई नहीं जानता है। ऐसे में दुनिया के तमाम देश उसके एक एक कदम र भी रख रहे हैं। हाल ही में चीन ने ढाई किलोमीटर गहरी एक ला बनाई है। इसमें कौन सा प्रयोग होगा ये कोई नहीं जानता है। चीनी ों ने इस लैब में काम करना भी शुरू कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, क्षिणी-पश्चिमी सिचुआन प्रांत में 2400 मीटर गहरी लैब तैयार की गई किया गया है कि यह लैब कई ऐसे राज खोलेगी जो अभी भी वैज्ञानिकों में रहस्य बने हुए हैं। चीन की नजर चांद पर भी है। रूस और चीन पहले र अपना बेस बनाने की बात कह चुके हैं। ऐसे में सवाल है कि नई लैब से -क्या नए काम करने की तैयारी में है और इतनी गहराई में लैब बनाने क्यों आई। कितनी खास है नई लैब और क्यों बनाई गई? रिपोर्ट के , गहरी होने के साथ लैब में अल्ट्रा लो रेडिएशन बैकग्राउंड की भी । चीनी वैज्ञानिकों का मानना है कि डार्क मैटर लम्बे समय से रहस्य बना इसकी बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है। नई लैब डार्क मैटर से लों के जवाब देने में मदद करेगी। इसे जिनपिंग लैब नाम दिया गया है। र क्या है, अब इसे भी समझ लेते हैं। दरअसल, इसे देखा नहीं जा डार्क मैटर वाले हिस्से में न तो किसी तरह की एनर्जी है और न ही इसलिए इसका पता लगाना मुश्किल है। अब चीनी वैज्ञानिक इससे जुड़े ब जवाब ढूंढकर इतिहास रचना चाहते हैं। हालांकि, यह इतना आसान लेकिन उनका दावा है कि चीन में इसकी खोज करना दुनिया के दूसरे मुकाबले थोड़ा ज्यादा आसान है। चीन की इस अंडरग्राउंड लैब के पहले ा काम 2010 में पूरा हो गया था, लेकिन इसे अब पूरी तरह से काम यक बनाया जा सका है। ऐसे में सवाल उठता है कि डार्क मैटर से जुड़े के जवाब जानने के लिए इतनी गहरी लैब क्यों खोदी गई है। चीनी ों ने इसका जवाब दिया है। लैब के वैज्ञानिकों का कहना है कि हम हराई में जाएंगे वहां उतनी ही कॉस्मिक किरणों को रोक सकेंगे. इस ानिकों ने गहराई में बनी लैब को डार्क मैटर पता लगने के लिए सबसे ाना गया है। वैज्ञानिकों ने इसे आदर्श अल्ट्रा क्लीन जगह बताया है। डिया में यह भी कहा गया है डार्क मैटर में नई तरह की खोज करने के दुनिया में चीन से बेहतर जगह नहीं है। इसलिए इससे जुड़े नए जवाबों े की उम्मीद ज्यादा है। वहीं, वैज्ञानिकों का कहना है, डार्क का पता लिए जो सुविधाएं इस लैब में दी गई हैं, वो और कहीं नहीं हैं।

## की सोरन यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में , 14 छात्रों की मौत

राक के सोरन विश्वविद्यालय में बड़ा हादसा हो गया है। यहां के होस्टल ीषड़ आग में झुलस कर 14 छात्रों की मौत हो गई है। जबकि 18 के ने की खबर है। यह हादसा कैसे और क्यों हुआ? इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। मामले की जांच की जा रही है। नॉर्दन इराक के एक बड़ा हादसा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह हादसा की रात 8 बजकर 15 मिनट पर हुआ। हालांकि, घटना के कुछ घंटे के ाग पर काबू पा लिया गया लेकिन हादसा कैसे हुआ इसका खुलासा नहीं है। इराक के प्रधानमंत्री मसरूर बरजानी ने इस दर्दनाक घटना पर दुख । उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है। हमने इस व्यापक जांच का आदेश दिया है. मामले की जांच शुरू हो गई है। घटना ों का पता लगाने के लिए एजेंसियां काम कर रहीं हैं। इस हादसे में 18 घायल होने की खबर है। सभी को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उनलोगों का इलाज चल रहा है। इस हादसे ने सभी को झकझोर दिया है। सोरन विश्वविद्यालय के टीचर और छात्र सभी इस घटना से ।

## ा के 20 हजार से अधिक हिंदुओं पर मंडरा ड़ोसी द्वारा जमीन हड़पने का खतरा

। गुयाना के 20 हजार से अधिक हिंदुओं पर पड़ोसी द्वारा जमीन ा खतरा मंडरा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने देश की सरकारी स्वामित्व वाली को गुयाना के एस्सेकिबो क्षेत्र में तेल, गैस और खदानों की खोज और रंत शुरू करने का आदेश दिया। यह निर्देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति रा 61,600 वर्ग-मील (159,500-वर्ग-किलोमीटर) क्षेत्र को पुन: ने के लिए जनमत संग्रह आयोजित करने के एक दिन बाद आया। यह ा दो-तिहाई हिस्सा है और ब्राजील की सीमा भी है और लगभग ग्रीस ार का है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्यू रिसर्च सेंटर और के गुयाना 200,000-250,000 से अधिक हिंदुओं का भी घर है, जो ोलार्ध में बड़ी हिंदू आबादी वाला एकमात्र देश है। साल 2012 के के अनुसार, एस्सेकिबो की लगभग 37 प्रतिशत आबादी हिंदू धर्म का रती है। गुयाना की रिपोर्टों में दिखाया गया है कि समुदाय धार्मिक के दौरान यज्ञ, सामुदायिक कार्यक्रम और समारोह आयोजित करता है सेक्विबो के हिंदू समुदाय ने इस साल गुयाना की राजधानी जॉर्जटाउन में त वार्षिक दिवाली मोटरसाइकिल प्रतियोगिता में कई पुरस्कार भी जीते हाल यह स्पष्ट नहीं है कि इस क्षेत्र पर कब्जा करने की वेनेजुएला की का क्षेत्र में रहने वाले हिंदुओं पर क्या प्रभाव पड़ेगा। क्योंकि दक्षिण ी स्वयं अपने निरंकुश राष्ट्रपति मादुरो के विरोधियों की राजनीतिक के प्रतिबंधों और आरोपों से पीड़ित है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के ा पोस्ट के अनुसार, गुयाना के हिंदू भी कई चुनौतियों का सामना करते ी परंपराओं को जीवित रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन इस की शुरुआत में वेनेजुएला की राजधानी काराकस में हुए जनमत संग्रह मादुरो ने वेनेजुएला की सार्वजनिक कंपनियों की स्थानीय सहायक के निर्माण का आदेश फिर चिंताएं बढ़ गई हैं।

## ने तीन उपग्रहों के लिए जुके-2 वाहक ट किया प्रक्षेपित

। चीन ने शनिवार को जिउक्वान सैटेलाइट प्रक्षेपण केन्द्र से जुके-2 वाहक रॉकेट को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया। वाहक जिंग समयानुसार सुबह 7 : 39 बजे प्रक्षेपित हुआ और तीन उपग्रहों, ंगहु-2 और टीवाई-33 को नियोजित कक्षा में भेजा। यह जुके-2 केट का तीसरा उड़ान मिशन था।

## पर जमी बर्फ की मोटाई नाप रहे व्यक्ति ई मौत

न ।एक व्यक्ति उस समय मौत के मुंह में समा गया जब वह झील में जमी मोटाई नाप रहा था। उस दौरान उसकी बर्फीले पानी में गिर कर डूबने से ई। यह जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि मिलफोर्ड के रहने टर डेमन्स (62) क्रैकिश झील में मछली पकड़ने की तैयारी के तहत मोटाई पता करने के लिए अपने एक मित्र के साथ छेद कर रहे थे। उन्होंने इसी दौरान बर्फ टूटने की आवाज आई और दोनों बर्फीले पानी में गिर हादसा टी3 इंडियन टाउनशिप परचेज में झील के किनारे से लगभग र दूर ठंडे पानी में हुआ। यह मिलिनोकेट से लगभग 13 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। उन्होंने बताया कि डेमन्स का दोस्त सतह पर आ गया ने 911 पर फोन करके सूचना दी। हालांकि डेमन्स का शव एक घंटे बाद े अग्निशमन विभाग ने निकाला, बाद में उसका उपचार भी किया गया से बचाना नहीं जा सका।

## राधिक गिरोह व ग्रामीणों के बीच हुए में 11 लोगों की मौत

सिटी ।मध्य मेक्सिको में बंदूकधारियों व ग्रामीणों के बीच हुए संघर्ष में ों की जान चली गई। मिली जानकारी के अनुसार एक छोटे कृषक के लोगों और एक आपराधिक गिरोह के बंदूकधारियों के बीच शुक्रवार में 11 लोगों की मौत हो गई। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में गांव के फल लिए गिरोह के सदस्यों का पीछा करते नजर आ रहे हैं और इस नयां चलने की आवाजें सुनाई दे रही है। इस संबन्ध में मेक्सिको पुलिस कि यह संघर्ष राजधानी मेक्सिको सिटी से लगभग 130 किलोमीटर

दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस में इज़राइल और फिलिस्तीनी इस्लामी समूह हमास के बीच चल रहे संघर्ष के बीच, इजरायली हमलों के बाद नासिर अस्पताल में फर्श पर बैठे घायल फिलिस्तीनी।

## जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में भारत को एक ३ का उछाल

दुबई ।भारत जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक में साल पिछली बार की तुलना में एक पायदान ऊपर, सातवें स्थान गया और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों में शुमार रहा जलवायु शिखर सम्मेलन सीओपी 28 के दौरान जारी रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। जलवायु परिवर्त सूचकांक तैयार करने के लिए 63 देशों और यूरोपीय जलवायु शमन प्रयासों की निगरानी की गई, जो दुनिया प्रतिशत से अधिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन करते हैं। सूच भारत को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और ऊर्जा उपयोग श्र उच्च रैंकिंग प्राप्त हुई है, लेकिन जलवायु नीति और नवी ऊर्जा में पिछले वर्ष की तरह मध्यम रैंकिंग मिली है। सूच कहा गया है कि भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाल लेकिन यहां प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम है। सूच आधारित रिपोर्ट में कहा गया है, हमारा डेटा दिखाता है व्यक्ति ग्रीनहाउस गैस श्रेणी में, देश दो डिग्री सेल्सियस सं मानक को पूरा करने की राह पर है। हालांकि भारत में नवी ऊर्जा की हिस्सेदारी में थोड़ा सकारात्मक रुझान दिखाइ लेकिन यह रुझान बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई) विशेषज्ञों ने ब भारत स्पष्ट दीर्घकालिक नीतियों के साथ अपने राष्ट्रीय निर्धारित योगदान (एनडीसी) को पूरा करने की कोशिश है, जो नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और नवीकरणी घटकों के घरेलू विनिर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान केंद्रित है।

# इजरायली हमलों में गाजा में 10, दक्षिणी सीरिया में 3 हिजबुल्लाह आतंकवादी मारे गए

**तेल अवीव (एजेंसी)।** इज़राइल-हमास युद्ध अपने तीसरे महीने में प्रवेश कर गया है, जिसके कारण सैकड़ों और हजारों फिलिस्तीनी दक्षिण से भाग गए हैं। एक सप्ताह पहले इज़राइल ने मध्य और दक्षिण गाजा में अपने जमीनी हमले का विस्तार किया, जहां क्षेत्र की लगभग 2.3 मिलियन फिलिस्तीनियों की पूरी आबादी भीड़ में है, उनमें से कई मानवीय आपूर्ति से कटे हुए हैं।

जैसा कि युद्ध जारी है, इज़राइल ने कहा है कि सेना उत्तरी गाजा में पूछताछ के लिए फिलिस्तीनी पुरुषों को घेर रही है, हमास आतंकवादियों की तलाश कर रही है। हमास के भारी प्रतिरोध को रेखांकित करते हुए, उत्तर में उग्र शहरी लड़ाई जारी है, और माना जाता है कि सैनिकों और टैंकों के आने के छह सप्ताह बाद भी हजारों निवासी इस क्षेत्र में बने हुए हैं।

### इज़राइल-हमास युद्ध

फिलिस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में एक परिवार के घर पर इजरायली बलों द्वारा बमबारी के बाद कम से कम 10 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। इज़राइल की सेना ने यह भी कहा कि गाजा में उसकी सेना पहली बार ÷खान यूनिस के दिल में÷ काम कर रही थी।

शुक्रवार तड़के, इजरायली सैनिकों ने गाजा में एक स्थान पर इजरायली बंधकों को मुक्त कराने का असफल प्रयास किया। सेना ने कहा कि आतंकवादियों के साथ आगामी संघर्ष में दो सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गए और किसी भी बंधक को मुक्त नहीं कराया गया। हमास ने कहा कि उसके लड़ाकों ने प्रयास को विफल कर दिया। सीरिया के

दक्षिण में कथित इज़रायली ड्रोन हमले में तीन हिज्बुल्लाह आतंकवादी और एक सीरियाई मारे गए।

निगरानी और मिसाइल-प्रक्षेपण इकाई के एक सीरियाई और तीन लेबनानी हिजबुल्लाह लड़ाके उनकी किराए की कार पर इजरायली ड्रोन हमले में मारे गए÷ क्यूनेइत्रा प्रांत के मदीनात अल-बाथ शहर में, इजरायल-कब्जे वाले गोलान हाइट्स के करीब, एक ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के प्रमुख रामी अब्देल रहमान ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया। एक अलग घटना में, दक्षिणी लेबनान में इज़रायली गोलाबारी में शुक्रवार को तीन लेबनानी सैनिक घायल हो गए। लेबनानी सेना ने अस्पताल पर दूसरे हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी। हिजबुल्लाह ने भी अपने चार लड़ाकों की मौत की घोषणा की। संयुक्त राज्य अमेरिका ने गाजा में हमास आतंकवादियों के खिलाफ एक भीषण हमले के दौरान फिलिस्तीनी नागरिकों की सुरक्षा के लिए और अधिक प्रयास करने के लिए इजरायल पर दबाव बनाए रखा, यहां तक कि वाशिंगटन ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल युद्धविराम की मांग को वीटो कर दिया। शुक्रवार को लड़ाई बढ़ गई और फिलीस्तीन में मरने वालों की संख्या बढ़ गई, साथ ही इजराइल ने इस्लामवादी समूह हमास के खिलाफ दो महीने पुराने युद्ध के विस्तारित चरण में उत्तर से दक्षिण तक क्षेत्र पर हमला किया।

## अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जाप आए साथ, उत्तर कोरिया के खिलाप अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान कि

**सियोल (एजेंसी)।** अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने उत्तर कोरिया द्वारा रूस को कथित तौर पर हथियार भेजे जाने को लेकर चिंता जतायी और उसके द्वारा परमाणु हथियारों तथा मिसाइलों का विकास किए जाने तथा अन्य देशों के साथ सैन्य सहयोग पर अंकुश लगाने के लिए शनिवार को मजबूत अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान किया। कोरिया प्रायद्वीप में हाल के वर्षों में सर्वाधिक तनाव के बीच सियोल में यह बैठक हुई।

बैठक के बाद एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय के निदेशक चो ताइ-योंग ने कहा कि तीनों सुरक्षा सलाहकारों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों के तहत उत्तर कोरिया के दायित्वों की पुष्टि की, जिसमें उसके परमाणु निरस्त्रीकरण और अन्य देशों के साथ हथियारों के व्यापार पर प्रतिबंध का आह्वान किया गया है। चो ने कहा कि तीनों अधिकारियों ने उत्तर कोरिया द्वारा पिछले महीने एक जासूसी प्रक्षेपण को लेकर उस पर लगाने की घोषणा के लि कोरिया, अमेरिका, जाप ऑस्ट्रेलिया की प्रशंसा की। के बाद अमेरिका के राष्ट्र सलाहकार जैक सुलिवान ने वाशिंगटन रक्षा सहयोग मज के लिए सियोल और तोक्ये मिलकर काम कर रहा है।

सुलिवान ने शुक्रवार क जापान के राष्ट्रीय सुरक्षा सचि महासचिव ताइको अकीबा अलग से द्विपक्षीय वार्ता भी व दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यियोल से भी मुलाकात की को अकीबा और सुलिवान आयोजित रात्रि भोज में यून ने तीनों देशों के लिए कैम्प अमेरिका के राष्ट्रपति जो बा जापान के प्रधानमंत्री फुमिये के बीच अगस्त में हुई उन वार्ता पर प्रगति जारी रखें, ज सुरक्षा और आर्थिक सहयोग आह्वान किया था।

## सीओपी28: नये जीएसटी मसौदे में स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने के लिए चार विकल्प दिये गये

**दुबई (एजेंसी)।** दुबई सीओपी28 में शुक्रवार को जारी 'ग्लोबल स्टॉकटेक' के एक नए मसौदे में स्वच्छ ऊर्जा की ओर कदम बढ़ाने के लिए चार विकल्प दिये गये हैं। 'ग्लोबल स्टॉकटेक' (जीएसटी) 2015 के पेरिस समझौते का एक मूलभूत घटक है जिसका इस्तेमाल इसके कार्यान्वयन की निगरानी करने और पूर्व-औद्योगिक युग की तुलना में तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक रखने के लिए उत्सर्जन को प्रतिबंधित करने के सहमत लक्ष्यों को प्राप्त करने में की गई सामूहिक प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है।

सताइस पृष्ठों के नवीनतम मसौदे में स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए चार विकल्प स्पष्ट रूप से बताए गए हैं। मसौदे के अनुसार पहला विकल्प सर्वोत्तम उपलब्ध विज्ञान के अनुरूप जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है, जबकि दूसरा विकल्प पेरिस समझौते के सिद्धांतों के अनुरूप जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है। इसके अनुसार तीसरा विकल्प 2050 से पहले ऊर्जा क्षेत्र को मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन से मुक्त करने के महत्व को रेखांकित करते हुए, बेरोकटोक जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है। मसौदे के अनुसार चौथा विकल्प बेरोकटोक जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है।

## 'कारगिल युद्ध का विरोध करने पर पीएम पद से हटा दिय भारत के साथ संबंधों पर नवाज शरीफ का बड़ा बयान

**मेलबर्न (एजेंसी)।** पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने शनिवार को कहा कि कारगिल का विरोध करने के कारण जनरल परवेज मुशर्रफ ने उन्हें 1999 में सरकार से बाहर कर दिया था क्योंकि उन्हें लगता था कि भारत के साथ अच्छे संबंध रखना महत्वपूर्ण है। नवाज़ शरीफ़ ने आगामी चुनावों के लिए अपनी पार्टी के टिकट के दावेदारों से बात करते हुए कहा कि मुझे बताया जाना चाहिए कि 1993 और 1999 में मुझे क्यों बाहर कर दिया गया था। जब मैंने कारगिल योजना का विरोध करते हुए कहा था कि ऐसा नहीं होना चाहिए... तो मुझे (जनरल परवेज़ मुशर्रफ द्वारा) बाहर कर दिया गया था। और बाद में मेरी बात सही साबित हुई।

नवाज ने आगे कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि मुझे हर बार क्यों बाहर कर दिया गया। उन्होंने कहा, 'हमने हर मोर्चे पर काम किया है। पीएम के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान, दो भारतीय प्रधानमंत्रियों ने पाकिस्तान का दौरा किया। मोदी साहब और वाजपेयी साहब लाहौर आए थे।' इस बात पर जोर देते हुए कि पाकिस्तान को भारत और अन्य पड़ोसी देशों के साथ संबंध सुधारने की जरूरत है, उन्होंने कहा, 'हमें भारत, अफगानिस्तान और ईरान के साथ अपने संबंध सुधारने होंगे। हमें चीन के साथ और अधिक मजबूत संबंध बनाने की जरूर

नवाज शरीफ ने इस अफसोस जताया कि आर्थिक वृद्धि के मामले पड़ोसियों से पिछड़ गया। उन्ह 'इमरान खान की सरकार ( 2202) के दौरान अर्थव्य गिरावट देखी गई। फिर शहबा सरकार ने अप्रैल 2022 में सर और देश को डिफॉल्ट से बचाय 2017 में अपनी सरकार को ह को बर्बाद करने के लिए जनरलों और न्यायाधीशों की जवाबदेही दोहराते हुए कहा, 'जो लोग इस देश को इ लाए, उन्हें जवाबदेह बनाया जाना चाहि देशभक्त लोग अपने देश के साथ ऐसा सकते।'

# लो... फिर आ गई ! आतंक को लेकर अमेरिका की डराने वाली रिप

### -आतंकवाद की जड़ें अफगानिस्तान में हुईं मजबूत

**काबुल (एजेंसी)।** इस वक्त अफगानिस्तान में तालिबान का शासन है। यहां उसी की हुकूमत चल रही है। इसी बीच अमेरिका से आई एक रिपोर्ट ने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। इसमें कहा गया है कि आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए खतरा बना हुआ है। और इसकी जड़ें अफगानिस्तान में मजबूत हुई हैं। जिससे उसके पड़ोसी देशों में लगातार आतंकवाद का खतरा मंडरा रहा है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर अफगानिस्तान सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। आतंकवाद पर 2022 की अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट ने अफगानिस्तान और आतंकवाद को लेकर यह खुलासा किया है। आतंकवाद पर साल 2022 की चिंताजनक टिप्पणी की है।रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान के नियंत्रण में अफगानिस्तान में कई आतंकवादी संगठन लगातार फल-फूल रहे हैं। इनमें इस्लामिक स्टेट खुरासन प्रोविंस और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के अलावा अलकायदा भी शामिल है। रिपोर्ट के बाद यह माना जा रहा है कि अफगानिस्तान में तालिबान शासन को लेकर आने वाले दिनों में अमेरिका कुछ कड़े फैसले कर सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2022 में अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना द्वारा मारे गए अलकायदा के लीडर अयमान अल जवाहरी का वहां पाया जाना यह साबित करता है कि तालिबान के संरक्षण में अफगानिस्तान में आतंकवादी संगठनों का बढ़ना लगातार जारी है। आपको बता दें कि अलकायदा के इस बड़े नेता को 30 जुलाई 2022 को अमेरिका सेना ने एक एयर स्ट्राइक में

इस रिपोर्ट से अफगानिस्तान की एक ऐसी तस्वीर पेश हो रही है, जहां से आतंकवाद पड़ोसी देशों में फैलता है और अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के हैं, उनसे अफगानिस्तान के पड़ोसी देशों पर आतंक का खतरा लगातार मंडरा रहा है। साल 2022 में अफगानिस्तान में मौजूद आतंकवादी संगठनों ने ईरान, कजाकिस्तान, उज़्बेकिस्तान और पाकिस्तान में कई हमले किए। यहां तक की इस्लामिक स्टेट खुरासन ने तो अफगानिस्तान में स्थानीय लोगों पर हमले किए।

इस संगठन ने रूसी दूतावास और पाकिस्तानी दूतावास पर भी हमले किए। अमेरिकी विदेश विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान को अफगानिस्तान का शासन देते समय दोहा समझौते की तहत, जो शर्तें रखी गई थीं वह पूरी नहीं की जा रही हैं। जबकि उन शर्तों में तालिबान ने पड़ोसी देशों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों के लिए अफगान धरती का उपयोग रोकने के लिए प्रतिबद्धता जताई थी। लेकिन वर्तमान हालातों में वह प्रतिबद्धता कहीं भी दिखाई अफगानिस्तान और चीन के बीच लगा कम हुई हैं और अफगानिस्तान ने चीन राजदूत भी नियुक्त कर दिया है, जिस

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## ...ड, श्रीलंका और मलेशिया के बाद अब ...शिया भी भारत के लोगों को बिना वीजा एंट्री

। दुनिया के फलक पर बढ़ती भारत की धाक का ही परिणाम है कि कई ...त के लोगों को बिना वीसा के प्रवेश की अनुमति दे रहे हैं। श्रीलंका, मलेशिया के बाद अब इंडोनेशिया भी भारत के लोगों को बिना ...एंट्री देने जा रहा है। इंडोनेशियाई पर्यटन मंत्रालय के अनुसार, एक महीने ...इस फैसले पर मुहर लग सकती है। इंडोनेशिया ने यह फैसला भारतीय ...को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ...या के पर्यटन मंत्री सैंडियागा यूनो ने गुरुवार को कहा कि उन्हें सरकार से ... के पर्यटकों के लिए वीजा फ्री एंट्री देने पर विचार करने के निर्देश मिले हैं। ...या अपने पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका, चीन, ...या, भारत, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, ब्रिटेन और फ्रांस सहित 20 देशों के ... को वीजा फ्री एंट्री देने पर विचार कर रहा है। इंडोनेशिया के आधिकारिक ...के अनुसार, कोविड महामारी से पहले 2019 में लगभग एक करोड़ 60 ... ज्यादा विदेशी पर्यटक इंडोनेशिया आए। वहीं, इस साल जनवरी से ...तक लगभग एक करोड़ विदेशी पर्यटक इंडोनेशिया आए। अगर इसकी ...छले साल की इसी अवधि से की जाए तो पर्यटकों की संख्या में लगभग ...शत की बढ़ोतरी हुई है। दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश इंडोनेशिया ...फैसला इसलिए भी मायने रखता है, क्योंकि हाल ही में मुस्लिम बहुल देश ... ने भी चीन और भारतीय पर्यटकों के लिए वीजा फ्री एंट्री देने की घोषणा ...इससे पहले सितंबर में इंडोनेशिया ने विदेशी व्यक्तियों और कॉरपोरेट ... को लुभाने के लिए गोल्डन वीजा की घोषणा की थी। मलेशिया से पहले ...पड़ोसी देश थाईलैंड ने भी देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐसा ही एक ...उठाया था। थाईलैंड की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का बड़ा योगदान है लेकिन ... कारण उसके पर्यटन सेक्टर को बड़ा धक्का लगा है। पर्यटन सेक्टर को ... करने के लिए थाईलैंड ने भारत, चीन समेत कई देशों के नागरिकों को ...एंट्री देना शुरू किया है।

## ...में शीत लहर जारी, कश्मीर के तापमान ...ई गिरावट

। कश्मीर घाटी में इन दिनों शीत लहर जारी है। यहां तापमान काफी कम ...। आईएमडी से मिली जानकारी के अनुसार केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-...की राजधानी श्रीनगर में तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज ...ा, जिससे पूरी घाटी में शीत लहर जारी है। मौसम विज्ञान विभाग ने ...को यह जानकारी देते हुए बताया कि दक्षिण कश्मीर का शोपियां कश्मीर ...ठंडा स्थान रहा, यहां तापमान शून्य से 5.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज ...ा। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज ...ा, जबकि पिछली रात यह शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे था। दक्षिण ...के पर्यटन स्थल पहलगाम में रात का तापमान शून्य से 5.0 डिग्री ... नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग से जारी आंकड़ों के अनुसार, उत्तरी ...के गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में रात का न्यूनतम तापमान शून्य से 4.2 डिग्री ... नीचे दर्ज किया गया जबकि कुपवाड़ा में रात का तापमान शून्य से 3.0 ...सियस नीचे दर्ज किया गया। श्रीनगर में 11 दिसंबर को मौसम शुष्क रहने ...गामी दिनों में तापमान में गिरावट आने के आसार हैं और अगले सप्ताह, ...कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ आने के अनुमान हैं। जिससे अलग-अलग ऊंचे ...हल्की बारिश और हिमपात होने के आसार हैं।

## ...ी के वसंत कुंज में फायरिंग लॉरेंस ...ोई के 2 शूटर पकड़े गए

। राजधानी दिल्ली का वीवीआईपी ऐरिया वसंत कुंज में जमकर फायरिंग ...पुलिस और बदमाशों के बीच चली इस मुठभेड़ में लॉरेंस बिश्नोई के दो ...पकड़ा गया है। दोनों आरोपियों में एक नाबालिग है। इन शूटर्स के पर कई ...ई मुकदमें दर्ज हैं। आपको बता दें कि दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने ...को ही गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शूटरों को गिरफ्तार ...। ये वहीं शूटर हैं जो 3 दिसंबर 2023 को पंजाब के एक पूर्व विधायक के ...ग स्थित घर पर फायरिंग की घटना में शामिल थे। दोनो शूटर्स के नाम ...और अखिल हैं जो हरियाणा के सोनीपत और चरखी दादरी के रहने वाले ... की जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों शूटर्स पंजाब के पूर्व विधायक ...त्रा के घर फायरिंग में शामिल थे और गोल्डी बराड़ के कहने पर इस काम ... दिया गया था। गोल्डी ने एक्स एमएलए को धमकी के वॉइस नोट भेजे थे ...में वसूली के लिए भी फोन किए थे। इतना ही नहीं हाल में गोल्डी के कहने ... गुर्गों ने पंजाब में पूर्व विधायक के शराब के ठेके भी जलाए गए थे।

## ...सरकार ने 42 एडिशनल एसपी के ...र किए

। संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली ...ों पर सुप्रीम कोर्ट 11 दिसंबर को अपना फैसला सुनाएगा। सीजेआई ...कुछ समय लगेगा, जबकि यह दोहराते हुए कि इसकी केंद्र शासित प्रदेश ... अस्थायी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि संविधान ...फैसला चाहे जो भी हो, ऐतिहासिक होगा और कश्मीर घाटी के निवासियों ... मौजूद मनोवैज्ञानिक द्वंद्व को खत?म कर देगा। उन्होंने कहा था कि यह ...निक द्वंद्व अनुच्छेद 370 की प्रकृति से उत्पन्न भ्रम के कारण उत्पन्न हुआ कि ...ष प्रावधान अस्थायी हैं या स्थायी।

## ...मंत्री भगवंत मान ने लोकसभा चुनावों के उम्मीदवारों का चयन शुरू किया

। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिये ...उतारे जाने वाले संभावित उम्मीदवारों के चयन शुरू कर दिया है। वह यह ... जुटा रहे हैं कि किस सीट पर कौन मजबूत होगा। लोकसभा चुनाव अब ... नहीं हैं और केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा मार्च में लोकसभा के आम चुनावों ... कर दिया जाएगा। इसे ध्यान में रखते हुए ही मुख्यमंत्री अपने स्तर पर ...13 लोकसभा सीटों पर मजबूत उम्मीदवारों का पता लगाने में जुटे हैं। वह ... विभाग से भी मजबूत उम्मीदवारों को लेकर सलाह-मशविरा करेंगे। ...मी पार्टी आम तौर पर उम्मीदवारों का चयन करने से पहले सर्वे करवाती ... जो उम्मीदवार पास होता है उसे टिकट दी जाती है। लोकसभा चुनाव इस ...धारी आम आदमी पार्टी के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न हैं। इसे देखते हुए ... भगवंत मान इस कार्य में अभी से जुट गए हैं। कांग्रेस के साथ गठबंधन ... भी अभी तस्वीर साफ नहीं हो रही है। कांग्रेस नेतृत्व की ओर से अभी ...आदमी पार्टी को पंजाब में गठबंधन करने के संबंध में कोई भी स्पष्ट संदेश ... गया है न ही अभी तक दोनों में गठबंधन को लेकर औपचारिक तौर पर ...चीत या बैठक शुरू हुई है। इसीलिए मुख्यमंत्री भगवंत मान यही प्रयास ... कि पार्टी को फिलहाल अपना पूरा ध्यान सभी 13 सीटों पर केंद्रित करना ...ताया जा रहा है कि आने वाले 2 महीनों में पंजाब की सभी 13 सीटों पर ... भगवंत मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद ...ल के दौरे भी होंगे। आप नेताओं का मानना है कि शहरी क्षेत्रों में ...ल के दौरे करने से शहरियों को पार्टी के साथ जोडने में मदद मिलेगी। ...ा के चुनावी नतीजों में भाजपा को मिली एकतरफा जीत के बाद आम ...र्टी की सरकार अब शहरों की ओर भी पूरा ध्यान केंद्रित करेगी। जहां ...ा जनाधार ज्यादा है।

## ...स छावनी में बदला लुधियाना रेलवे स्टेशन

। शुक्रवार देर रात रेलवे स्टेशन देखते ही देखते पुलिस छावनी में तबदील ...रेलवे स्टेशन पहुंची पुलिस टीमों ने चैकिंग शुरू कर दी। इस तलाशी ... के दौरान टीमों ने प्लेटफार्म नंबर 1 से लेकर 7 तक चैकिंग की। इस ...अभियान में एसीपी सुमित सूद, थाना सलेम टाबरी के इंस्पैक्टर हरजीत ...ा कोतवाली के इंचार्ज गगनदीप सिंह, थाना दरेसी के इंस्पैक्टर बलविंदर ...ना डिवीजन 2 के इंस्पैक्टर अमृतपाल शर्मा समेत करीब 70 पुलिस ... और जीआरपी के मुलाजिम शामिल थे। इससे पहले दोपहर को भी ...क्राइम राजकुमार की अगुवाई में भी तलाशी अभियान चलाकर रेलवे ...र चैकिंग की गई थी, लेकिन देर रात एक बार फिर अधिकारियों ने स्पैशल ...। सूत्रों का कहना है कि पुलिस को कोई विशेष सूचना मिली थी। इधर

# फिर दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता बने पीएम मोदी

### -76 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नई दिल्ली,(ईएमएस)। विश्व के सबसे लोकप्रिय नेताओं की सूची में पीएम मोदी की बादशाहत अभी भी कायम है। अमेरिकी एजेंसी मॉर्निंग कंसल्ट के अनुसार पीएम मोदी 76 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता हैं। सर्वे में दूसरे पायदान पर मैक्सिको के प्रेसिडेंट ओब्राडोर रहे हैं, जिन्हें 66 प्रतिशत रेटिंग मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 37 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ 8वें पायदान पर हैं, जबकि इसी सर्वे में इटली की पीएम जॉर्जिया मैलोनी 41 प्रतिशत रेटिंग के साथ छठें पायदान पर हैं।

कई सालों से शीर्ष पर काबिज हैं पीएम मोदी

पीएम मोदी पिछले कई सालों से इस सूची में टॉप पर बने हुए हैं। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन 40 फीसदी अप्रूवल रेटिंग के साथ लिस्ट में सातवें स्थान पर हैं, जो मार्च के बाद से उनकी सबसे ज्यादा अप्रूवल रेटिंग है। राजनीतिक खुफिया अनुसंधान फर्म द्वारा एकत्र किया गया डेटा 22 वैश्विक नेताओं के सर्वेक्षण पर आधारित है। 6 से 12 सितंबर, 2023 तक एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, इस ग्लोबल सूची में सबसे कम डिस्प्रूवल रेटिंग भी पीएम मोदी की केवल 18 प्रतिशत है। जहां तक ??डिस्प्रूवल रेटिंग का सवाल है, सूची में शीर्ष 10 नेताओं में से, कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो की डिस्प्रूवल रेटिंग सबसे अधिक 58 प्रतिशत है और ऐसा माना जाता है कि यह खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे पर भारत के साथ कनाडा के कूटनीतिक मतभेद की वजह से हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपना शीर्ष स्थान कायम रखा है। 'मॉर्निंग कंसल्ट' के सितंबर सर्वेक्षण में भी 76 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ वे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता थे। अप्रैल के सर्वेक्षण में भी 76 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ पीएम मोदी को अपने अमेरिकी और ब्रिटेन समकक्षों जो बाइडेन और ऋषि सुनक को पीछे छोड़ते हुए 'सबसे लोकप्रिय' नेता करार दिया गया था। फरवरी में भी, पीएम मोदी को 78 प्रतिशत की अप्रूवल रेटिंग के साथ दुनिया के सबसे लोकप्रिय वैश्विक नेता के रूप में आंका गया था।

## प्रधानमंत्री मोदी ने की सोनि... गांधी के दीर्घायु होने की का...

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईश्वर से कामना की है कि ... की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दीर्घायु रहें। श्रीमती गांधी ... जन्मदिन पर बधाई देते हुए पीएम मोदी ने सोशल मीडिया ... 'एक्स' पर लिखा, 'श्रीमती सोनिया गांधी को उनके जन्... शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और अच्छा स्वास्थ्य प्रदा... वहीं कांग्रेस ने शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'उस व्यक्ति को ... की शुभकामनाएं जो सत्यनिष्ठा, करुणा और साहस के उच्च... का प्रतीक है। वह ... एक स्तंभ हैं, जि... त्याग करते हुए ... जीवन सार्वजनिक ... लिए समर्पित क... है।' इसके ... समाजवादी पार्टी ... अखिलेश यादव ... सोनिया गांधी को ... की बधाई देते हुए ... लिखा, 'श्रीमती सोनिया गांधी जी को उनके जन्मदिन प... शुभकामनाएं। उनके अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली की ... करता हूं।' वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी ... ने भी पोस्ट करते हुए लिखा, 'श्रीमती सोनिया गांधी जी को ... की हार्दिक शुभकामनाएं। उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी ... कामना करता हूं।' सोनिया गांधी का जन्म 9 दिसंबर, 1... इटली में हुआ था। वह सबसे लंबे समय तक कांग्रेस की अध... उन्होंने पिछले कुछ साल से स्वास्थ्य संबंधी कारणों के चल... राजनीति से दूरी बना ली है और उनके बेटे राहुल गांधी ... प्रियंका गांधी वाड्रा पार्टी में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

# संसद में हमास से जुड़े जवाब पर विवाद, मीनाक्षी लेखी के दावे के बीच एमईए ने कहा- तकनीकी सुधार की आवश्यकता है

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।** विदेश मंत्रालय ने शनिवार को स्पष्ट किया कि राज्य मंत्री वी मुरलीधरन को एक संसदीय प्रश्न का उत्तर देने वाले अधिकारी के रूप में सूचीबद्ध किया जाना चाहिए था, क्योंकि राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा था कि उन्होंने प्रश्न का उत्तर नहीं दिया है, जैसा कि आधिकारिक वेबसाइटों पर पोस्ट किए गए दस्तावेजों में दिखाया गया है। दस्तावेजों से पता चला कि लेखी ने इस सवाल का जवाब दिया था कि क्या सरकार के पास हमास समूह को गैरकानूनी घोषित करने का कोई प्रस्ताव है।

लेकिन लेखी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने 'इस प्रश्न और इस उत्तर के साथ किसी भी कागज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं'। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कई घंटों के बाद स्पष्ट किया कि दस्तावेजों में 'तकनीकी सुधार' की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमने नोट किया है कि 8 दिसंबर 2023 को उत्तर दिए गए लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 980 में वी मुरलीधरन को संसद प्रश्न का उत्तर देने वाले राज्य मंत्री के रूप में प्रतिबिंबित करने के संदर्भ में तकनीकी सुधार की आवश्यकता है। त्रुटि कैसे हुई इसका ब्योरा दिए बिना उन्होंने कहा, 'यह उचित तरीके से किया जा रहा है।'

मीनाक्षी लेखी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मैं सभी को बताना चाहता हूं कि मैंने उस प्रश्न से संबंधित ऐसे किसी भी कागज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। मैंने इस उल्लंघन की सूचना पीएमओ और एस जयशंकर को दी है और विदेश सचिव को फोन किया है और उनसे कहा है कि इसकी जांच की जाए और जिन लोगों ने ऐसा किया है उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। विपक्ष ने इस मामले में जांच की मांग की है।

विदेश राज्य मंत्री ने हमास को आतंकवादी संगठन घोषित करने से संबंधित लोकसभा में पूछे गए लिखित प्रश्न एवं उसके उत्तर को लेकर 'एक्स' पर कहा, ''आपको गलत जानकारी दी गई है क्योंकि मैंने इस प्रश्न और इस उत्तर वाले किसी भी कागज पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।'' अतारांकित प्रश्न क्रमांक 980 कांग्रेस सांसद कुंभकुडी सुधाकरन द्वारा पूछा गया था।

इस प्रश्न के लिखित उत्तर में लेखी के हवाले से कहा गया था, ''किसी संगठन को आतंकवादी घोषित करना गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत आता है और किसी भी संगठन को आतंकवादी घोषित करने के बारे में संबंधित सरकारी विभागों द्वारा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार विचार किया जाता है।'' शिवसेना (यूबीटी) की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने इस मामले को लेकर एक्स पर पोस्ट किया, ''क्या वह (लेखी) यह दावा कर रही हैं कि यह एक जाली जवाब है, यदि हां तो यह एक गंभीर मामला और तय नियमों का उल्लंघन है। स्पष्टीकरण मिलता है तो विदेश मंत्रालय की आभारी रहूंगी।''

# बसपा की बैठक में मायावती ले सक... हैं बड़े फैसले, मुद्दों पर होगी चर्चा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** बसपा की कल अहम बैठक होने जा रही है। यह बैठक बसपा प्रमुख मायावती की अध्यक्षता में कल लखनऊ में होगी। जानकारी के अनुसार बैठक के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। आगामी चुनाव में पार्टी के प्रचार अभियान का खाका भी पेश किया जा सकता है। सूत्रों की माने तो इस बैठक के बाद आकाश आनंद की जिम्मेदारियों को और बढ़ाया जा सकता है। साथ ही पार्टी आगामी चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों को धार की रणनीति बनाएगी। पार्टी चुनाव के लिए अपने प्लान पर भी बैठक के दौरान चर्चा करेगी। लखनऊ में रविवार को होने वाली बैठक के दौरान बीएसपी के चुनाव प्रचार और अभियान का खाका तैयार किया जा सकता है। सूत्रों का दावा है कि पार्टी ने करीब तीन चौथाई लोकसभा सीटों पर अपने प्रभारियों का एलान कर दिया है। हालांकि अभी तक औपचारिक एलान होना बाकी है लेकिन प्रभारियों को चुनाव की तैयारी करने के लिए कह दिया गया है। कल कि बैठक के बाद कुछ प्रभारियों का अ... एलान करने की भी संभावना ... रही है। दरअलस बसपा हर ... सीट पर पहले प्रभारी का एला... फिर उन्हीं प्रभारियों को पार्टी ... अपना उम्मीदवार बनाती है। ब... के दौरान बीएसपी का यही च... आता रहा है।

इस बैठक में 15 ज... मायावती के जन्मदिन की तै... भी चर्चा होगी। बता दें कि म... जन्मदिन पर पार्टी के ओर से ... जाएंगी। इसके अलावा ... आगामी चुनाव के लिहाज से ... और घर-घर तक संपर्क अ... लोगों तक पहुंचेगी। बैठक के ... के स्टार प्रचारकों के नाम पर ... होगा। यहां गौरतलब है कि इ... इसी सप्ताह पार्टी के लिए एक ... थी। ये बैठक विधानसभा ... रिजल्ट आने के अगले दिन ही ... थी। बैठक के दौरान विधानस... में पार्टी के प्रदर्शन और चुनाव ... भी आपस में चर्चा हुआ हुई थ...

# हार के नतीजों पर कांग्रेस ने किया मंथन, अंदरूनी खींचतान बनी वजह

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में अपनी हार की वजह ढूंढने के लिए कांग्रेस ने समीक्षा बैठक बुलाई। इसमें अहम कारण यही निकलकर सामने आया है कि पार्टी अपनी अंदरूनी खींचतान की वजह से हारी है। इसके साथ ही हार का दूसरा कारण भूपेश बघेल सरकार के ग्रामीण इलाकों पर बहुत ज्यादा फोकस करना और भाजपा की 'सांप्रदायिक लामबंदी' सामने आई है। कांग्रेस पार्टी की टॉप लीडरशिप ने शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के नेताओं के साथ हार पर लंबा विचार-मंथन किया। जिसमें ये राय उभरकर सामने आई। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में मध्य प्रदेश चुनावों में हार की समीक्षा भी हुई। इस बैठक में राहुल गांधी, कमल नाथ, दिग्विजय सिंह और रणदीप सुरजेवाला सहित वरिष्ठ नेता शामिल हुए। कांग्रेस की इस बैठक में ईवीएम की भूमिका पर सवाल उठाए गए। कुछ नेताओं ने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस का ध्यान महज एक व्यक्ति कमलनाथ पर था, जिसके कारण पार्टी ने भाजपा के खिलाफ समुदायों के सामूहिक नेताओं को खड़ा करने का काम नहीं किया। भाजपा के ओबीसी वर्चस्व को भी रेखांकित किया गया, इसमें ओबीसी वाली लगभग 80 फीसदी सीटें जीतीं और शहरी इलाकों में लोगों ने भाजपा को वोट दिया।

कांग्रेस की बैठक में यह कहा गया कि यह काफी हद तक एससी/एसटी और अल्पसंख्यकों का मजबूत समर्थन था, जिसके कारण कांग्रेस ने अपना 2018 के चुनावों का वोट शेयर बरकरार रखा। छत्तीसगढ़ के बारे में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि कांग्रेस ने 2018 का 42 फीसदी का अपना वोट शेयर लगभग बरकरार रखा था। मगर भाजपा ने अपने वोटों में पिछली बार से लगभग 13 फीसदी की बढ़ोतरी की। जो कि जोगी कांग्रेस जैसी पार्टियों को दर?किनार कर छोटे वोटर समूहों को अपने पाले में करने का नतीजा था। यह भी बताया गया कि पूरी तरह से द्विध्रुवीय मुकाबला इस तथ्य से साफ था कि भाजपा और कांग्रेस कुल वोटों का 76 फीसदी हासिल करते थे, लेकिन इन चुनावों में उनके बीच 88।5 फीसदी वोट बंट गए।

कांग्रेस की इस बैठक में जाति जनगणना पर चर्चा नहीं हुई, लेकिन इस बात पर ध्यान केन्द्रित किया था कि कांग्रेस 18 शहरी सीटों में से दो को छोड़कर बाकी सभी सीटें हार गई। खासकर रायपुर इलाके में उसकी करारी हार हुई, जिसे मुख्यमंत्री बघेल का गढ़ माना जाता है। चुनाव के बाद स्थानीय विश्लेषकों ने शहरी इलाकों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के लिए हिंदुत्व अभियान और जाति जनगणना पर पार्टी के जोर को जिम्मेदार ठहराया है।

# बाबा बालकनाथ के अचानक बदले सुर, बो... अभी तो पीएम मोदी के नेतृत्व में बहुत कुछ सीखन...

**जयपुर (एजेंसी)।** राजस्थान में प्रचंड सीटों से जीती भारतीय जनता पार्टी मुख्यमंत्री की तलाश कर रही है। ये तलाश पूरी होती इससे पहले ही बाबा बालकनाथ का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए चर्चा में आ गया है। बाबा को भी लगने लगा कि बस कुर्सी उनके काफी नजदीक आ गई है। लेकिन अचानक बाबा की ग्रहदशा बदली और उन्होने अपने एक्स पर एक पोस्ट लिखकर कह दिया है कि अभी तो हमे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बहुत सारे अनुभव लेना है। बता दें कि बाबा बालकनाथ 2019 में बीजेपी के टिकट पर अलवर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गए थे। पार्टी ने उन्हें इस बार जिले की तिजारा सीट से विधानसभा चुनाव का टिकट दिया था। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी इमरान खान को हराकर विधायकी का चुनाव भी जीत लिया। इसके बाद लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया।

राजस्थान के तिजारा से भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक बाबा बालकनाथ ने मेन स्ट्रीम मीडिया और सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री पद के लिए अपने नाम की चर्चाओं के बीच एक बयान जारी किया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इन अटकलों पर विराम लगाने की कोशिश की है। बाबा बालकनाथ ने अपने इस पोस्ट में लिखा है, पार्टी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जनता-जनार्धन ने पहली बार सांसद व विधायक बना कर राष्ट्रसेवा का अवसर दिया।

चुनाव परिणाम आने के बाद से मीडिया व सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं को नजर अंदाज करें। मुझे अभी प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में अनुभव प्राप्त करना है। बता दें कि बाबा बालकनाथ 2019 में बीजेपी के टिकट पर अलवर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गए थे। पार्टी ने उन्हें इस बार जिले की तिजारा सीट से विधानसभा चुनाव का टिकट दिया था। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी इमरान खान को हराकर विधायकी का चुनाव भी जीत लिया। इसके बाद लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। इन घटनाक्रमों के बीच मीडिया और सोशल मीडिया पर राजस्थान के अगले मुख्यमंत्री के रूप में उनके नाम की चर्चा जोर शोर से चल रही है। कल तक उन्हें मुख्यमंत्री के प्रबल दावेदारों में माना जा रहा था, लेकिन आज उनके इस पोस्ट से ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा ने उनके लिए कुछ और सोच... बालकनाथ के अलावा राजस्थान के... मुख्यमंत्री के रूप में जिन नामों की सर्वाधि... उनमें वसुंधरा राजे सिंधिया, किरोड़ी ला... राज्यवर्धन सिंह राठौर और दीया कुमारी शा...

बाबा बालकनाथ भी उसी नाथ संप्रदा... हैं, जिसके यूपी के मुख्यमंत्री योगी अ... वर्तमान प्रमुख हैं। बाबा बालकनाथ रो... मस्तनाथ मठ के महंत हैं। 29 जुलाई 2... महंत चांदनाथ ने एक समारोह में बालकना... अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था, जि... प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्य... बाबा रामदेव भी शामिल हुए थे। उनके सम... राजस्थान का योग कहकर भी संबोधित क... बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के चांसल... उनका जन्म बहरोड़ तहसील के कोहराना ग... यदुवंशी हिंदू परिवार में हुआ था, बालकना... जड़ें अलवर में गहराई से जुड़ी हुई हैं। उन्हों... साल की उम्र में संन्यास लेने का फैसला ... अपना घर छोड़कर आश्रम में चले गए ... बालकनाथ योगी की राजनीतिक पारी को ... महंत चांदनाथ, जो अलवर से पूर्व सां... आकार दिया। उनकी छवि राजस्थान ... फायरब्रांड नेता की है, जो हिंदू और हिंदुत्... करते हैं।

## केजरीवाल सरकार की कैबिनेट में फेरबदल

नई दिल्ली। दिल्ली में केजरीवाल सरकार की कैबिनेट में फेरबदल हुआ है। दिल्ली की मंत्री आतिशी को कानून एवं न्याय विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है, जबकि मंत्... गहलोत को उनके वर्तमान विभागों के अलावा महिला एवं बाल विकास विभाग आवंटित किया गया है। इससे पहले कानून एवं न्याय विभाग की जिम्मेदारी कैलाश गहलोत नि... वहीं महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का जिम्मा आतिशी के पास था। दिल्ली सरकार ने एक गजट अधिसूचना में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार सीएम दफ्तर ने उप... (एलजी) कार्यालय को पत्र लिखकर विभागों की अदला-बदली की सिफारिश की थी, जिसे एलजी की मंजूरी भी मिल गई है। इस बदलाव के साथ आतिशी के पास अब कानून... विभाग समेत 14 विभाग हैं, जो केजरीवाल सरकार के मंत्रियों में सबसे ज्यादा है। इससे पहले अक्टूबर में उन्हें जल विभाग का प्रभार सौंपा गया था।

# वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी असुरक्षित होता जा रहा है महारा...

### - वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराधों की संख्या में दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश

**मुंबई (एजेंसी)।** वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी महाराष्ट्र असुरक्षित होता जा रहा है और देश में वरिष्ठ नागरिकों को लेकर सबसे ज्यादा अपराध महाराष्ट्र में हो रहे हैं. जब शहरों ... गये. इनमें सबसे ज्यादा 5 हजार 110 मामले महाराष्ट्र में दर्ज किए गए. देश में दर्ज अपराधों की संख्या में मध्य प्रदेश वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराधों की संख्या में दूसरे स्थान पर है. मध्य प्रदेश में 6 हजार 187 अपराध दर्ज किए गए। शहरों की बात करें तो पहले नंबर पर दिल्ली में वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ 1 हजार 131 अपराध दर्ज किए गए हैं। जबकि मुंबई में 575 मामले दर्ज किए गए हैं और नागपुर इसमें मुंबई के बाद नागपुर और पुणे शहर शामिल हैं. नागपुर में 170 मामले दर्ज किये गये. नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो की क्राइम इन इंडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि वरिष्ठ नागरिकों के घरों में चोरी, हत्या, मारपीट और धोखाधड़ी के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में दर्ज किए गए हैं. अगर हम वरिष्ठ नागरिकों के खिलाफ अपराधों के प्रकार पर विचार करें तो मुंबई, नागपुर और पुणे में 17 वरिष्ठ नागरिकों वरिष्ठ नागरिकों के यहां डकैती हुई है. मुंबई में 33 तरह की, नागपुर में 17 तरह की और पुणे में 8 तरह की लूट हुई. वरिष्ठ नागरिकों के विरुद्ध दर्ज अधिकांश अपराध धोखाधड़ी के हैं। धोखाधड़ी के सबसे ज्यादा मामले मुंबई में हैं और 189 मामले सामने आए हैं। इस मामले में नागपुर दूसरे स्थान पर है और यहां 57 अपराध दर्ज किये गये हैं. तीसरे स्थान पर पुणे में 18 अपराध दर्ज किये गये हैं. वरिष्ठ नागरिकों



स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

## 5 दिन से बंद फ्लैट से आने लगी तेज :बू, पड़ोसियों ने बुलाई पुलिस; दरवाजा खुला तो सब रह गए हैरान

:क्षिणी दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर इलाके से शनिवार :क ऐसी खबर सामने आई है जिसने पूरे इलाके में सनसनी :ी है। दरअसल मालवीय नगर थाना इलाके के खिड़की :शन में एक युवती का सड़ा हुआ शव फ्लैट में मिला है। बदबू :र आज पड़ोस के लोगों ने पुलिस को कॉल किया।

**:रीब 15 दिन पुराना है शव**

:लस के अनुसार यह शव करीब 15 दिन पुराना है। संत नगर :े वाली युवती सानिया राय एक साल से फ्लैट में किराए पर थी। पुलिस ने हत्या की आशंका जाहिर की है। हालांकि शव :टमार्टम के लिए भेजा गया है।

## :खड़ 10 दिसंबर को झारखंड की यात्रा पर

: दिल्ली। उपराष्ट्रपति श जगदीप धनखड़, 10 दिसंबर को :की यात्रा पर रहेंगे और राज्य के दो प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों संबोधित करेंगे। :ति सचिवालय ने :ाया कि उपराष्ट्रपति : बाद यह श्री धनखड़ : झारखंड राज्य का :रा है। इस यात्रा के उपराष्ट्रपति दो : शैक्षिक संस्थानों संबोधित करेंगे।



:म उपराष्ट्रपति जमशेदपुर पहुंचेंगे जहां वह जेवियर स्कूल :नेजमेंट के प्लेटिनम जुबली समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। :त वह आई.आई.टी. (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ माइंस) : के 43वें दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में : करेगें तथा उपस्थित शिक्षकों और छात्रों से संवाद करेंगे।

## :क आरोपी ने नाबालिग पर किया ऐसिड अटैक, खुद भी तेजाब पीकर दी जान

: दिल्ली। दिल्ली से एक एसिड अटैक मामला सामने आया : एक व्यक्ति ने नाबालिग लड़की पर तेजाब फेंक दिया। : अपने घर के बाहर खड़ी थी, इसी दौरान आरोपी ने उसपर :से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी ने खुद भी तेजाब पी :जिसके कारण इलाज के समय उसकी मौत हो गई। इस घटना :ोरी मामूली रूप से झुलस गई। उसकी मरहम पट्टी करने के :स्पताल से छुट्टी दे दी गई है। पुलिस ने बताया कि नाबालिग :ड से अटैक करने वाले व्यक्ति का नाम प्रेम सिंह है। 54 :्रेम सिंह रेप के मामले में आरोपी है। उसके खिलाफ दुष्कर्म :ले में सुनवाई चल रही है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि : मां ने प्रेम सिंह के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था। : के घर में शादी का कार्यक्रम था, जिसमें शामिल होने के लिए :ानत पर बाहर आया था। इसी दौरान उसने किशोरी पर हमला : दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके मेंयह घटना हुई। जब सुबह के :त बजे के करीब आरोपी प्रेम सिंह किशोरी के पास आया और :मकी देकर केस वापस लेने को कहा। लेकिन किशोरी ने ऐसा : मना कर दिया। जिसके बाद आरोपी ने उसपर तेजाब फेंक :ौर खुद भी तेजाब पी लिया। जिसके बाद दोनों को अस्पताल : गया। जहां आरोपी की इलाज के दौरान मौत हो गई।

## :ड्रग्स से खिलाफ यूपी सरकार सख्त, :विद्यालयों में खतरे से निपटने को सीएम योगी ने कार्रवाई के दिए आदेश

:एडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने :रियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि नोएडा और ग्रेटर : के विश्वविद्यालय युवाओं में नशीली पदार्थों के खतरे से : के लिए आंतरिक दल गठित करें। उन्होंने गौतमबुद्ध नगर : के अधिकारियों, पुलिस विभाग और चुने हुए प्रतिनिधियों के :क समीक्षा बैठक के दौरान निर्देश दिए। पिछले कुछ महीनों में : और ग्रेटर नोएडा में कई मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार :या है और उनके पास से बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ जब्त :ए हैं। पुलिस ने पाया कि इन तस्करों के निशाने पर कॉलेज :िश्वविद्यालय भी थे। समीक्षा बैठक के दौरान स्थिति को : से लेते हुए सीएम ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ :ापी अभियान में विश्वविद्यालयों की भागीदारी पर जोर दिया। :धिकारिक बयान के अनुसार, 'मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों :क पदार्थों की लत के मुद्दे को हल करने के लिए समर्पित :क दलों को गठित करने करने को कहा।

# नया नोएडा बसाने का काम पकड़ेगा रफ्तार, सीएम योगी ने प्राधिकरण को दिए ये आदेश

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा प्राधिकरण के अफसरों को नए नोएडा को बसाने के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके मास्टर प्लान को मंजूरी के लिए शासन को भेजें, ताकि प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने जीबीयू में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि विकास कार्यों में तेजी लाकर समय से उनको पूरा कराएं। हिंडन नदी के आसपास अधिक संख्या में पेड़-पौधे लगाएं ताकि पर्यावरण बेहतर रहे। जल को स्वच्छ रखने के लिए हर संभव काम करें। इसके आसपास अतिक्रमण न होने पाएं। मुख्यमंत्री ने जाम की समस्याओं से निपटने के लिए चिल्ला, भंगेल एलिवेटेड रोड जैसी परियोजनाओं को भी तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही, निवेश बढ़ाने के लिए एमओयू को धरातल पर लाने के काम को भी तेज करने को कहा। सीएम ने तय लक्ष्य से अधिक निवेश को बढ़ावा दें। जनप्रतिनिधियों से समन्वय कर योजनाओं का प्रचार-प्रसार करें। इस दौरान नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने सेक्टर-96 में बन रही प्राधिकरण की नई इमारत और अंडरपास से संबंधित जानकारी दी। विधायक ने स्थायी डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय खोलने की मांग रखीः विधायक पंकज सिंह ने




मुख्यमंत्री के समक्ष स्थायी रूप से डिप्टी रजिस्ट्रार कार्यालय खोलने, किसानों की शासन व प्राधिकरण स्तर पर मांगों का जल्द निस्तारण कराने, शुद्ध पानी के लिए स्थाई समाधान कराने, सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने, फ्लैट खरीदारों की समस्याओं का समाधान कराने की मांग की।

**1997 से सभी किसानों को 10 प्रतिशत भूखंड देने की मांगः** भाजपा के महानगरध्यक्ष मनोज गुप्ता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक मांग पत्र दिया, जिसमें वर्ष 1997 से सभी किसानों को 10 प्रतिशत भूखंड दिए जाने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि पिछले 4-5 सालों में नोएडा प्राधिकरण का किसानों के प्रति गलत रवैया रहा है। इसकी वजह से लगातार बड़े-बड़े आंदोलन हुए। पत्र में कहा कि 212वीं बोर्ड बैठक में 10 प्रतिशत भूखंड देने या उसके समतुल्य धनराशि देने का प्रस्ताव पास हो चुका है। इसको मंजूरी के लिए शासन को भेजा चुका है। मुख्यमंत्री से मांग की है कि जल्द शासन से पास कराकर किसानों की समस्याओं का समाधान करें।

**मुआवजा वितरण में गड़बड़ी करने वालों को जेल भेजा जाए :भाजपा के महानगर अध्यक्ष** मनोज गुप्ता ने मुख्यमंत्री को एक और पत्र दिया। इसमें मांग की गई है कि मुआवजा वितरण में गड़बड़ी करने वाले प्राधिकरण के अधिकारी, कर्मचारी तथा उनके राजनीतिक दलालों और किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाए।

उन्होंने कहा कि एसआईटी जांच कर रही है लेकिन घोटालेबाज अभी भी जांच के दायरे से बाहर हैं। इस प्रकरण में किसानों के नाम पर 25 प्रतिशत मुकदमें हाईकोर्ट में डलवाकर व समझौता दिखाकर 25 प्रतिशत हिस्सा लेकर सरकारी धनराशि की बंदरबांट हुई है।

**एयरपोर्ट के पास थाने बनेंगे**

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि निर्माणाधीन नोएडा एयरपोर्ट के पास पुलिस की मौजूदगी काफी अहम होगी। इसको लेकर नए थानों के निर्माण समेत अन्य कामों में तेजी लाई जाए। इसके लिए प्राधिकरण के अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया। उन्होंने थानों और तहसीलों में आने वाली समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने के निर्देश दिए।

## सरकार की रिपोर्ट में खुलासाः : में घटा लिंगानुपात, बढ़ी जन्म 2021 में 932 था

**नई दिल्ली।** राजधानी में लिंगानुपात में गिरावट दर्ज हुई है : जन्म दर बढ़ी है। जन्म और मृत्यु के पंजीकरण पर वार्षिक : 2022 में दिल्ली सरकार के विभाग ने आंकड़े जारी किए हैं। इ: गया है कि लिंगानुपात 2021 में 932 था जो 2022 में घट: रह गया है। वहीं जन्म दर 2021 के प्रति हजार जनसंख्या पर 13.13 की तुलना में 2022 के दौरान बढ़कर 14.24 हो गई, हालांकि मृत्यु दर में गिरावट दर्ज हुई है। साल 2021 में मृत्युदर 8.28 फीसदी थी जो 2022 में घटकर 6.07 फीसदी रह गई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिल्ली में प्रतिदिन जन्म की औसत बढ़ रही है। साल 2022 में यह आंकड़ा बढ़कर 823 हो गय: 2021 में यह 745 था। रिपोर्ट में कहा गया कि पंजीकृत हुए : में 1,55,670 (51.83 फीसदी) लड़के और 1,44,581 : फीसदी) लड़कियां थीं। वहीं 99 (0.03 फीसदी) अन्य : संबंधित हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2.23 प्रतिशत महिला: साल या इससे कम उम्र में बच्चे को जन्म दिया। हालांकि इस : 2022 के आंकड़े में शिशु और मातृ मृत्यु दर में मामूली वृद्धि पर : डाला गया है। 2022 में शिशु मृत्यु दर (प्रति हजार जीवित : 23.82 रही, जो 2021 में 23.60 थी। मातृ मृत्यु दर (प्रति हज: जन्म) 2022 में 0.49 रही, जो 2021 में 0.44 थी। दिल्ली : 2021 में दर्ज की गई 1,71,476 मौतों की तुलना में : 1,28,106 मौतें दर्ज की गईं।

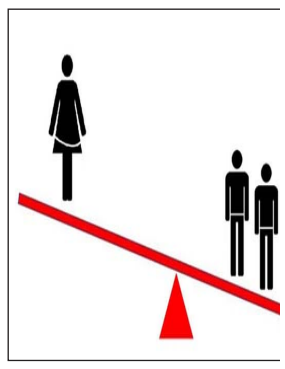



# तेज रफ्तार डंपर ने ई-रिक्शा में मारी जोरदार टक्कर, गर्भवती महिला सहित तीन की मौके पर ही म:

**नोएडा।** कस्बे की खुर्जा रोड पर मॉडलपुर गांव के पास खुर्जा की ओर से आ रहे डंपर ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा सवार एक गर्भवती महिला सहित तीन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। गर्भवती महिला की गोद में बैठी ढाई वर्षीय बच्ची को मामूली चोट आई है।

हादसे के बाद डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में घुस गया। चालक को दबोच कर लोगों ने पुलिस के हवाले किया। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने कस्बे के मुख्य चौराहे पर जाम लगा दिया। पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

जेवर के नगला बंजारा गांव के महेश ने अपनी बेटी आरती की शादी बुलंदशहर के रामघाट गांव में की थी। आरती का एक बेटा व एक बेटी है। आरती सात माह की गर्भवती थी। वह कुछ दिन पहले मायके में रहने के लिए नगला बंजारा गांव आई थी। आरती जेवर स्थित एक निजी अस्पताल में अल्ट्रासाउंड कराने के लिए अपनी बहन मोहनी व उसकी ढाई साल बेटी परी के साथ आई थी। अल्ट्रासाउंड कराने के बाद दोनों बहने दोपहर चार बजे के करीब ई-रिक्शा में सवार होकर गांव लौट रहीं थीं।

**ई-रिक्शा को डंपर ने मारी जोरदार टक्कर**

ई-रिक्शा जब मॉडलपुर गांव के पास पहुंचा तो सामने से आ

रहे एक डंपर ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। डंपर रिक्शा पर चढ़ता हुआ सड़क किनारे खेत में जा घुसा। हादसे में आरती और मोहनी की कुचलने के कारण दर्दनाक मौत हो गई। वहीं आरती की बेटी टक्कर लगने पर उछलकर दूर जा गिरी, जिससे उसके पैर में मामूली चोट आई है। हादसे में जेवर के मोहल्ला कोठेतरिया का रहने वाला ई-रिक्शा चालक धर्मेंद्र भी घायल हो गया। लोग उसे कस्बे के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

**मुख्य चौराहे पर लग गया लंबा जाम**

टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के परखचे उड़ गए। हादसे के बाद नाराज लोगों ने कस्बे के मुख्य चौराहे पर जाम लगा दिया।

जाम के कारण टप्पल रोड, खुर्जा रोड व झाझर रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। लोगों का आरोप है कि पुलिस ने शव को बगैर स्वजन की मर्जी : भेज दिया। आक्रोशित : शव वापस लेने : कोतवाली में हंगामा किय:

**पीड़ित परिवार : आर्थिक मदद की मां:**

समाचार लिखे ज: कोतवाली में लोगों क: जारी रहा। सूचना प: एडीसीपी अशोक कुमा: स्वजन को समझाने के : जुटे है। नगर पंचायत : नारायण माहेश्वरी ने : धीरेंद्र सिंह से फोनव: पीड़ित परिवार की आर्थि: की मांग की। उन्होंने : पीड़ित स्वजन को हर सं: का भरोसा दिया है।

## एनएचआरसी ने 13 लोगों की हत्या पर मणिपुर सरकार को जारी किया नोटिस

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मणिपुर के टेंग्नौपाल जिले में गोलीबारी कर 13 लोगों की कथित हत्या पर मणिपुर के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया। आयोग ने इस मामले में दो सप्ताह के अंदर विस्तृत रिपोर्ट की मांग की है। एनएचआरसी ने एक बयान में कहा कि रिपोर्ट में पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी की स्थिति और राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को शामिल किया जाना चाहिए कि राज्य में कहीं भी हिंसा की ऐसी घटनाएं न हों।

आयोग ने मीडिया में आई उस खबर का स्वतः संज्ञान लिया जिसमें कहा गया था कि मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में सैबोल के पास लीथाओ गांव में हुई चार दिसंबर को हुई कथित गोलीबारी में कम से कम 13 लोग मारे गए। आयोग ने यह भी कहा कि इस वर्ष मई में मणिपुर राज्य में तनाव उत्पन्न होने के बाद से शांत रहे क्षेत्र में 13 लोगों की मौत वास्तव में चिंताजनक और परेशान करने वाली है। मणिपुर




राज्य और इसके लोगों ने पहले ही बहुत कुछ झेला है। बयान में कहा गया है कि आयोग दृढ़ता से दोहराता कि यह राज्य का कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों के निजी और सार्वजनिक जीवन और संपत्तियों की रक्षा करे और समुदायों के बीच दोस्ती और भाईचारे की भावना को बढ़ावा दे।

## लाखों वाहन चालकों के लिए गुड न्यूज, गाजिया: में जीटी रोड और लिंक रोड की संवरेगी सूरत

**गाजियाबाद।** गाजियाबाद के जीटी रोड और लिंक रोड से गुजरने वाले लाखों वाहन चालकों के लिए राहत की खबर है। 10 करोड़ रुपये से इन मार्गों को संवारा जाएगा। दोनों प्रस्ताव के लिए शासन से बजट मंजूर होने के बाद पीडब्ल्यूडी ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। मेट्रो स्टेशनों के बनने के बाद से ही जीटी रोड बदहाल है, क्योंकि अधिकांश स्टेशन नाले के ऊपर बनाए गए। इनके नीचे का नाला बंद कर पाइप डाल दिए गए। हिंडन नदी में गिरने वाले जीटी रोड के मुख्य नाले में हजारों सैकड़ों कॉलोनियों का पानी आता है। इस कारण पाइप चोक हो जाते हैं और पानी जीटी रोड पर बहता है। इसी वजह से सड़क जर्जर हो जाती है। मुख्य रूप से अर्थला में सबसे ज्यादा समस्या है, जिसके लिए कुछ दिन पहले लोगों ने मेट्रो स्टेशन के बाहर धरना भी दिया था। इसके बाद पाईप हटाकर नाला बनाने का फैसला लिया गया था। डीएमआरसी और नगर निगम ने नाल: की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अर्थला में चार : सीसी रोड बनेगी पीडब्ल्यूडी के अधिशासी : (एक्सईएन) राम राजा ने बताया कि अर्थल: स्टेशन के नीचे 300 मीटर के दायरे में सीसी : जाएगी। इसके लिए चार करोड़ रुपये का ब: है। इसी तरह मोहन नगर से यूपी गेट की ओर : लिंक रोड के छह किमी दायरे की मरम्मत के : छह करोड़ रुपये का प्रस्ताव पास हुआ है। अ: रोड पर वाहन चालकों को काफी परेशा: सामना करना पड़ रहा है। यहां पूरे दिन ही : स्थिति बनी रहती है। पीक आवर्स में एक : वाहन जाम में फंसे रहते हैं। जाम के साथ : हादसे का भी शिकार होते हैं। पानी भरा होने : गड्ढे के आकार का पता नहीं चलता और इस: जाने पर वाहन गिर जाता है।

## :ी कैबिनेट में फेरबदलः आतिशी को न्याय विभाग तो कैलाश :ोत को मिली महिला एवं बाल विकास विभाग की जिम्मेदारी

: दिल्ली। दिल्ली में :ल सरकार की कैबिनेट :दल हुआ है। दिल्ली की :तिशी को कानून एवं न्याय :का अतिरिक्त प्रभार दिया : जबकि मंत्री कैलाश :को उनके वर्तमान विभागों :ावा महिला एवं बाल : विभाग आवंटित किया : दिल्ली सरकार ने एक :धिसूचना में यह जानकारी :पोर्ट के अनुसार, सीएम : उपराज्यपाल (एलजी) : को पत्र लिखकर :की अदला- बदली की : की थी, जिसे एलजी : भी मिल गई है।

**:तिशी के पास 14 विभाग**

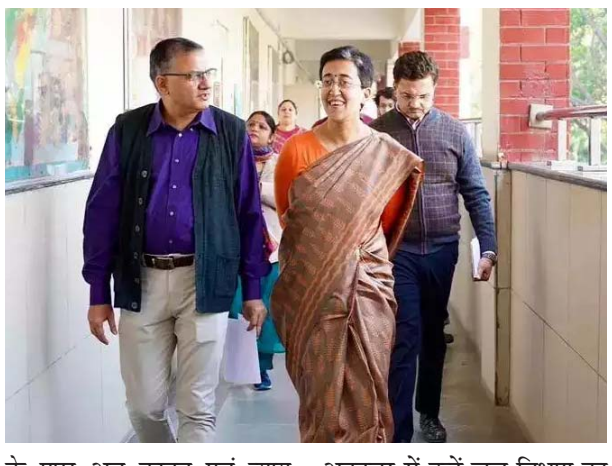

इस बदलाव के साथ आतिशी के पास अब कानून एवं न्याय विभाग समेत 14 विभाग हैं, जो केजरीवाल सरकार के मंत्रियों में सबसे ज्यादा है। इससे पहले अक्टूबर में उन्हें जल विभाग का प्रभार सौंपा गया था।



# नोएडा में गैर पंजीकृत कोचिंग पर शिक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 32 सेंटरों पर लगा ताला

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर जिले के नोएडा में गैर पंजीकृत कोचिंगों पर बड़ी कार्रवाई हुई है। जिसके तहत 32 गैर पंजीकृत कोचिंग सेंटर को बंद कराया है। शिक्षा विभाग ने नोएडा की कोचिंग सेंटरों का निरीक्षण किया गया था। इस दौरान ये कोचिंग सेंटर विभाग को पंजीकरण से संबंधित डॉक्यूमेंट नहीं दिखा सके। जिसके बाद इन कोचिंगों पर कार्रवाई करते हुए ताला डाला गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह ने बताया कि



पंजीकृत कोचिंग सेंटर की संख्या सिर्फ 35 है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के लिए 12 टीम बनाई गई और अभियान चलाकर गैर पंजीकृत 32 कोचिंग सेंटर को चिह्नित किया गया। सिंह ने बताया कि सभी को पंजीकरण संबंधी दस्तावेज मुहैया कराने का मौका दिया गया, लेकिन वे ऐसा करने में विफल रहे। इसके बाद कार्रवाई करते हुए सभी को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया।

**कोचिंग दोबारा शुरू करने पर होगी कानूनी कार्रवाई**

जिन कोचिंग सेंटरों को शिक्षा विभाग ने बंद कराया है अगर इन कोचिंगों के मालिक इन्हें दोबारा से शुरू करेंगे तो इनपर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। इस संबंध में जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताते कहा कि सभी को चेतावनी दी गई है कि अगर सेंटर में फिर से कक्षा शुरू की गई तो संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

## वायु गुणवत्ता ': खराब' श्रेणी दिल्ली में न्यून: तापमान 9.4

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय रा: हवा की गुणवत्ता शहर भ: एक्यूआई स्टेशनों पर 'बहु: में बनी रही। भारत मौस: विभाग ने कहा कि न्यूनतम: 9.4 डिग्री सेल्सियस द: गया, जो इस मौसम का : मौसम विभाग ने भविष्यव: कि अधिकतम तापमान : सेल्सियस के आसपास : संभावना है जबकि आस: रहेगा।केंद्रीय प्रदूषण नियं: (सीपीसीबी) के अनुसार: राजधानी के आनंद विहार में : का स्तर 345 और पीएम 1: के साथ 'बहुत खराब' श्रे: हुआ, जबकि कार्बन मोने: (सीओ) 80 और एनओ2: 86 था। दोनों 'संतोषजनक' : द्वारका सेक्टर 8 में वायु: सूचकांक (एक्यूआई) निगर: ने पीएम 2.5 को 335 पर : जो 'बहुत खराब' श्रेणी में : पीएम 10 का स्तर 216 पर : सीओ 74 पर, 'संतोषजनक: था। आईटीओ स्टेशन पर : 'बहुत खराब' श्रेणी में था, : का स्तर 339 पर और पीए:

# :टर नोएडा जेवर एयरपोर्ट के पास कार में मिला करोड़ों का खजाना, अफसर और पुलिस टीम हैरान

: **नोएडा।** ग्रेटर नोएडा से आगरा :ने वाले यमुना एक्सप्रेसवे पर एक : करोड़ों रुपये के नोट मिले हैं। वही :रपोर्ट से कुछ ही दूरी पर गाड़ी में भरे : को गिनने में अफसर के पसीने छूट : का यह खजाना यूपी की आबकारी ... चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान नोएडा की ओर से आ रही एक स्विफ्ट डिजायर कार को चेकिंग के लिए रोका गया। पुलिस व आबकारी टीम ने कार की तलाशी ली तो उसमें रखे बैगों में नोट भरे मिले। यह देख आबकारी विभाग अफसर और पुलिस टीम ... आगरा की टीम ने रुपयों को गिनवाया तो रकम करीब दो करोड़ निकली।

अश्वनी ने पूछताछ के दौरान बताया कि वह हरियाणा के गुरुग्राम में प्रॉपर्टी डीलर है। ये धनराशि उसने प्रॉपर्टी डीलिंग में कमाई है। दलाली और जमीनों का पैसा है। पैसा इकट्ठा ... सरकार के कोश में जमा करा दी जाएगी। आयकर विभाग ने उसे चार से पांच दिन का समय दिया है। तब तक पैसा मांट थाने के मालखाने में जमा रहेगा। एसपी देहात त्रिगुण बिसेन ने बताया कि रात एक्सप्रेस वे पर चेकिंग के दौरान कार से पुलिस ने दो करोड़ ...

## दिल्ली नगर निगम की विशेष बजट बैठक हुई स्थगित

**नई दिल्ली।** दिल्ली नगर निगम की होने वाली बजट बैठक स्थगित कर दी गई है। यह अब बैठक शनिवार दोपहर दो बजे होगी। दिल्ली नगर निगम की विशेष बजट बैठक में कमिश्नर ज्ञानेश भारती को निगम का बजट पेश करना था। इसके लिए दोपहर दो बजे बजट की विशेष बैठक बुलाई गई थी, जिसमें कमिश्नर वर्ष 2023-24 का संशोधित बजट अनुमान और 2024-2025 का बजट अनुमान प्रस्तुत करते।

हालांकि मात्र एक घंटे पहले बैठक को स्थगित कर दिया गया। हालांकि शनिवार को छुट्टी का दिन होने के बावजूद विशेष